दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 352 | ग्वालियर, गुरुवार 04 फरवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

आनंद महिंद्रा के दिल को छू गई मुंबई लोकल की एक तस्वीर

मुंबई। कोरोना लॉकडाउन में बंद हुई मुंबई की लोकल ट्रेन को एक फरवरी से फिर से खोला गया है। लोग पहले की तरह तो नहीं, लेकिन सरकार द्वारा तय नियमों के मुताबिक इससे यात्रा कर रहे हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तस्वीरों वायरल हो रही हैं। लोग इसको लेकर भावुक हो रहे हैं। आनंद महिंद्रा ने इसे भारत की आत्मा बताया है। एक ट्विटर यूजर ने लिखा है, एक क्लिक जिसने मेरे दिल को छू लिया। 11 महीने बाद ट्रेन की यात्रा करने से पहले एक व्यक्ति लोकल ट्रेन की पूज कर रहा है। इसे रिट्वीट करते हुए आनंद महिंद्रा ने लिखा, भारत की आत्मा... मैं प्रार्थना करता हूं कि हम इसे कभी न खोएं। आपको बता दें कि लगभग 320 दिनों के अंतराल के बाद रेलवे ने आम जनता को मुंबई में लोकल ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति दी। हालांकि इसके लिए कुछ घंटों का सीमित समय है। इस दौरान प्रबंधन के लिए स्थानीय पुलिस की मदद ली जा रही है। सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने इसके बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि सभी अधिकृत प्रवेश/निकास बिंदु और टिकट काउंटर सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए खोला गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बताया था कि एक फरवरी से मुंबई लोकल को आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। बता दें कि महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन के बाद से इसे सिर्फ हेल्थ वर्कर्स और जरूरी सेवाओं में काम करने वाले लोगों के लिए खोला गया था लेकिन अब इसे सभी के लिए खोल दिया गया है।

3 साल पहले सड़क पर लावारिश मिली नवजात बच्ची की अब सऊदी अरब में होगी परवरिश

नई दिल्ली। तीन साल साल पहले एक दिन की बच्ची नई दिल्ली इलाके में सड़क पर लावारिश हालत में मिली थी। पुलिस ने बच्ची के माता-पिता की काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग न मिलने पुलिस ने बच्ची को एक बाल गृह को सौंप दिया था। अब इस बच्ची को सऊदी अरब में रहने वाले भारतीय मूल के दंपति ने गोद ले लिया है। अदालत की अनुमति से बच्ची को इस दंपति के सुपुर्द किया गया है। दंपति को अदालत ने बच्ची को सऊदी अरब ले जाने की इजाजत दे दी है। अब बच्ची की परवरिश सऊदी अरब में होगी। साकेत स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीना बंसल कृष्णा की अदालत ने अबोध बच्ची के भविष्य को देखते हुए यह निर्णय किया है। अदालत ने कहा कि जिस दंपति ने इस बच्ची को गोद लिया है उनके अपनी कोई संतान नहीं है। साथ ही इस दंपति की पारिवारिक स्थिति संबंधी रिपोर्ट से पता चला है कि पति-पत्नी दोनों सऊदी अरब में अलग-अलग कारोबार करते हैं और प्रतिमाह अच्छा-खासा कमा लेते हैं। ऐसे में यह दंपति इस बच्ची का न केवल अच्छा लालन-पालन कर सकेंगे, बल्कि उसे अच्छी शिक्षा भी दिलाएंगे। अदालत ने यह भी कहा कि भावनात्मक तौर पर देखा जाए तो इस दंपति को अपनी औलाद मिलेगी और बच्ची को माता-पिता का साया मिलेगा।

सबसे तेज गति से 40 लाख लोगों को टीका लगाने वाला देश बना भारत: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि 18 दिन के भीतर देश में 40 लाख लोगों को कोविड-19 रोधी टीके लगाए गए हैं और इसके साथ ही भारत सबसे तेज गति से इस आंकड़े तक पहुंचने वाला देश बन गया है। बुधवार सुबह तक देश में 41 लाख से ज्यादा लोगों को कोविड-19 रोधी टीके लगाए गए। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 रोधी टीके लगाने के मामले में भारत एक फरवरी को दुनिया के शीर्ष पांच देशों की सूची में था। भारत तेज गति से यह टीकाकरण जारी रखेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई को अन्य मोर्चों पर भी सफलता मिल रही है। पिछले 24 घंटे में अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम, नगालैंड, लक्षद्वीप, लद्दाख, सिक्किम, मणिपुर, पुडुचेरी, गोवा, ओडिशा और असम समेत 14 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में संक्रमण की वजह से किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है। मंत्रालय ने कहा कि रोजाना काफी अधिक संख्या में कोविड-19 मरीज स्वस्थ हो रहे हैं और मृत्यु दर में भी कमी बरकरार है। देश में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में गिरावट लगातार जारी है। इसने बताया कि वर्तमान में 1,60,057 लोगों का उपचार चल रहा है जो कि कुल मामलों का 1.5 फीसदी से भी कम है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 11,039 नए मामले सामने आए हैं, जो पिछले सात महीने में सबसे कम हैं। इसने कहा कि इस अवधि में 14,225 मरीज संक्रमणमुक्त हुए हैं, जिसकी वजह से इलाज करा रहे मरीजों की कुल संख्या में 3,296 की कमी आई है।

राहुल गांधी बोले- क्या किसान दुश्मन हैं, जो सरकार किलाबंदी कर रही है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आम बजट और किसान आंदोलन को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की है. राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने ये बजट सिर्फ एक प्रतिशत आबादी के लिए ही बनाया है. सरकार को आम आदमी के हाथ में पैसे देना चाहिए. उन्होंने कृषि कानून को लेकर कहा कि चाहे जो हो जाए, लेकिन किसान पीछे नहीं हटेंगे. फायदा इसी में है कि सरकार अभी पीछे हट जाए. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि क्या किसान दुश्मन हैं जो सरकार किलाबंदी कर रही है? केंद्र सरकार निजीकरण कर देशवासियों का पैसा कुछ लोगों में बांट रही है. इस समय लोगों के हाथ में पैसे देने की जरूरत है. अगर सरकार न्याय योजना लागू करती तो अर्थव्यवस्था सुधरती, लेकिन सरकार सप्लाई चेन की ओर पैसे दे रही है. इससे जनता को कोई फायदा नहीं होगा.
उन्होंने कहा कि चीन भारत में हजारों किमी तक घुस आया, लेकिन मोदी सरकार ने बजट में रक्षा के लिए कुछ भी नहीं किया. इससे चीन को मैसेज पहुंचा है कि भारत अपने रक्षा के क्षेत्र के लिए कुछ भी नहीं कर रहा है. इससे जवानों में यही संदेश जाएगा कि सरकार सिर्फ एक फीसदी लोगों को हमारे हिस्से का पैसा दे रही है. राहुल गांधी ने आगे कहा कि लद्दाख में हमारे जवान ठंड में ठिठुर रहे हैं, लेकिन सरकार बजट में उनके लिए कुछ करोड़ रुपये बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी कह रहे हैं कि सरकार सिर्फ एक फोन कॉल की दूरी पर है. राहुल गांधी ने किसानों को आतंकी बताने से जुड़े एक सवाल पर कहा कि जो देश के 60 फीसदी किसान हैं वे सभी आतंकवादी है और सिर्फ आरएसएस के लोग ही ठीक है. सरकार सिर्फ अपने 4-5 मित्रों के लाभ के बारे में सोच रही है. उन्होंने आगे कहा कि लाल किले में अगर किसी ने गलत काम किया तो वह गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है. गृह मंत्रालय को बताना चाहिए कि लाल किले में ऐसे लोग कैसे घुसे. राहुल गांधी ने कहा कि स्थिति अब सरकार के हाथ से बाहर जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि आप अगर अपनी अर्थव्यवस्था को खराब कर लेते हैं, सीमा पर आपके सामने खड़ा दुश्मन है, आप देश की मजबूती को कमजोर कर रहे हैं तो आप देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं और ये स्थिति हमारे हाथ से बाहर जा रही है. ये देश अपना नेतृत्व खो रहा है. उन्होंने आगे कहा कि अब प्रधानमंत्री किसी और ही तरफ जा रहे हैं. उन्हें चाहिए कि किसानों से वह गले मिलें और उनसे पूछें कि मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं, लेकिन उनका ध्यान इस वक्त कहीं और ही है.

सरकार की स्पष्ट चेतावनी, अगर आदेश नहीं माना तो होगी कार्रवाई

> किसान आंदोलन को लेकर फैलाई जा रही फेक न्यूज और अंतरराष्ट्रीय सेलेब्रिटीज के भी इसमें शामिल होने के बाद केंद्र सरकार सख्त हो गई है. केंद्र ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ट्विटर से कहा है कि इस वह इससे जुड़े सभी कंटेंट को अपने प्लेटफॉर्म से हटाए.

नई दिल्ली। किसान आंदोलन को लेकर फैलाई जा रही फेक न्यूज और अंतरराष्ट्रीय सेलेब्रिटीज के भी इसमें शामिल होने के बाद केंद्र सरकार सख्त हो गई है. केंद्र ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ट्विटर से कहा है कि इस वह इससे जुड़े सभी कंटेंट को अपने प्लेटफॉर्म से हटाए.ट्विटर पर किसान नरसंहार को लेकर कई ट्वीट किए जा रहे हैं. इस मामले के बाद केंद्र इस मामले में सख्त हो गया है. ट्विटर से कहा गया है कि वह हैशटैग मोदी प्लानिंग फार्मर जैनोसाइड से जुड़ी खबरों को हटाए. इस खबरों को तथ्यों से परे भ्रामक प्रचार के लिए प्रसारित किया जा रहा है.
दरअसल बुधवार को अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना ने किसान आंदोलन को समर्थन में ट्वीट किया था. इसके बाद कई और अंतरराष्ट्रीय सैलेब्रिटीज ने भी उनके समर्थन में ट्वीट किए. इस मामले के बाद विदेश मंत्रालय को भी दखल देना पड़ा. उन्होंने बयान जारी कर कहा कि किसान आंदोलन के मामले में सरकार की ओर से पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है. इस मामले में ट्वीट करने से पहले तथ्यों की जांच की जानी चाहिए. हाल ही में ट्विटर पर किसानों के नरसंहार वाले हैशटैग के साथ लोगों ने ट्वीट किए थे. ट्विटर पर हैशटैग चलाया गया था. सरकार ने ट्विटर को ऐसे अकाउंट पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे, जिन्होंने इस हैशटैग के साथ ट्वीट किए. लेकिन बाद में ट्विटर ने खुद ही ऐसे अकाउंट बहाल कर दिए. इसी को देखते हुए केंद्र सरकार की तरफ से ट्विटर को नोटिस जारी किया गया है और कहा गया है कि ट्विटर को सरकार का निर्देश मानना होगा नहीं तो कार्रवाई होगी. सरकार के नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसलों का हवाला भी दिया गया है और कहा गया है कि ट्विटर अदालत की तरह फैसले नहीं कर सकता है.

आप सांसद संजय सिंह ने कृषि कानूनों के खिलाफ की नारेबाजी, मार्शल ने उठाकर बाहर किया

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के इलाकों में चल रहे किसान आंदोलन को लेकर लगातार हंगामा बढ़ता जा रहा है. इस बीच उस वक्त और भी हंगामा हो गया, जब राज्यसभा में किसानों के मामले में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया. इसी बीच आम आदमी पार्टी के कुछ सांसद कृषि कानूनों का विरोध करते हुए नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए. ऐसा होते देख राज्यसभा के सभापति ने बार बार उन्हें टोका और रुकने के लिए ताकीद किया. लेकिन आम आदमी पार्टी के सांसद नहीं माने और लगातार हंगामा और नारेबाजी करते रहे. बताया जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के तीन सांसद इसमें शामिल थे, जिसमें संजय सिंह, सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता शामिल बताए जा रहे हैं. इसके बाद सभी को सदन के बाहर कर दिया गया. अब ये तीनों सांसद दिनभर सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकेंगे. हालांकि इस दौरान सदन की कार्यवाही करीब पांच मिनट के लिए रोकनी पड़ी. हालांकि जैसे ही सदन की कार्यवाही फिर से शुरू करने की कोशिश की गई तो फिर से सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया. इसके बाद राज्यसभा के सभापति ने मार्शल को बुलाकर तीनों सांसदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया.

> अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक्स स्टूडेंट शर्जील उस्मानी के खिलाफ आईपीसी 124 (ए) के तहत शरजील उस्मानी के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने और एलगर परिषद 2021 के आयोजकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए पुणे के पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की.

शरजील के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुणे कमिश्नर से मिला बीजेपी का प्रतिनिधिमंडल

पुणे। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक्स स्टूडेंट शर्जील उस्मानी के खिलाफ आईपीसी 124 (ए) के तहत शरजील उस्मानी के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने और एलगर परिषद 2021 के आयोजकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए पुणे के पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की. दरअसल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र शरजील उस्मानी ने हाल ही में पुणे के एल्गार परिषद के सम्मेलन में कहा था कि हिन्दुस्तान में हिन्दू समाज सड़ चुका है. जुनैद को चलती ट्रेन में मारते हैं, कोई बचाने नहीं आता है. ये जो लोग लिंचिंग करते हैं, कत्ल करते हैं. अगले दिन फिर किसी को पकड़ते हैं, फिर कत्ल करते हैं और नॉर्मल लाइफ जीते हैं. इसके अलावा भी शरजील उस्मानी ने हिन्दू समाज के लिए आपत्तिजनक बातें कही थी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बंगाल में मेगा रैली का प्लान, 15 लाख की भीड़ जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ममता बनर्जी के गढ़ में मेगा रैली कर सकते हैं. पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेगा रैली का प्लान बनाया जा रहा है, जिसमें 15 लाख लोगों की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है. खबरों के मुताबिक मार्च के पहले हफ्ते में पीएम मोदी की मेगा रैली आयोजित की जा सकती है. पीएम मोदी की ये रैली पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े मैदान ब्रिगेड मैदान में हो सकती है जो कोलकाता में स्थित है. पश्चिम बंगाल बीजेपी ने पीएम मोदी की मेगा रैली के लिए 5 और 7 मार्च की तारीख का सुझाव दिया है. हालांकि, रैली की फाइनल डेट प्रधानमंत्री कार्यालय तय करेगा. बता दें कि इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए काफी अहम हैं. बीजेपी के साथ-साथ खुद पीएम मोदी भी पश्चिम बंगाल का रण जीतने के लिए समर्पित हैं. इसी कड़ी में बीजेपी की बंगाल की राजनीति के इतिहास में सबसे बड़ी रैली करने की योजना है.

विदेशों में भारत की छवि खराब करने की कोशिश, एकजुट हुआ देश

नई दिल्ली। विदेशों में भारत की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है. अब इसे लेकर देश एकजुट हो गया है. केंद्र सरकार की ओर से पास किए गए तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ अब अंतरराष्ट्रीय सेलेब्रिटीज भी उतर आई हैं. अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना सहित कई सेलेब्रिटीज के किसान आंदोलन के पक्ष में ट्वीट किए हैं. इस पर विदेश मंत्रालय ने पूरे मामले को बड़ी गंभीरता से लिया है. इसके बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मोदी सरकार किसानों को लाभ पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सभी मोर्चे पर लगातार नए मुकाम हासिल कर रहा है. हमारे किसानों को लाभ पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है. जो लोग किसानों के प्रति अपनी सहानुभूति दिखा रहे हैं मैं उन लोगों से कहना चाहूंगा कि पहले नए कृषि कानूनों को अच्छे से पढ़ें. उनकी मांग है कि सरकार इन कानूनों को वापस ले. कुछ विपक्षी दल भी किसानों के समर्थन में उतर चुके हैं. वहीं अब उनके इस आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी समर्थन मिलने लगा है.

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोन: 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

राज्यसभा में बोले रामगोपाल यादव, दिल्ली

गाजीपुर जितनी सुरक्षा तो पाकिस्तान बॉर्डर पर भी नहीं

> सपा सांसद ने कहा कि हमारे किसान कई महीनों से बैठे हुए हैं. सर्दी, भूख और अन्य कारणों से तमाम किसानों की जान जा चुकी है. सरकार ऐसी निर्दयी और बेहरम हो गई है कि उसके ऊपर कोई असर नहीं हो रहा है.

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को तीनों किसान कानूनों पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने केंद्र सरकार पर किसानों के मसले पर संवेदनहीनता दिखाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने तीनों बिलों को स्टैंडिंग कमेटी में भेजने की बात मान ली होती तो आज यह संकट न खड़ा होता. समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि गाजीपुर, सिंघु और टीकरी बॉर्डर पर देश की पार्लियामेंट और पाकिस्तान बार्डर से भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था क्यों है? क्या किसान दिल्ली पर हमला करने वाले हैं?
समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने बुधवार को कृषि कानूनों पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा, अगर डेढ़ साल तक कानूनों को होल्ड करने के लिए सरकार राजी है तो फिर तीनों कानूनों को इस सत्र में खत्म कर नए बिल लाकर उसे स्टैंडिंग कमेटी के माध्यम से क्यों नहीं पास कराया जाता. अगर तीनों बिलों को स्टैंडिंग कमेटी में भेजने की आपने विपक्ष की मांग मान ली होती तो यह संकट न आता. सपा सांसद ने कहा कि हमारे किसान कई महीनों से बैठे हुए हैं. सर्दी, भूख और अन्य कारणों से तमाम किसानों की जान जा चुकी है. सरकार ऐसी निर्दयी और बेहरम हो गई है कि उसके ऊपर कोई असर नहीं हो रहा है. सपा सांसद रामगोपाल यादव ने गाजीपुर, टीकरी और सिंघु बॉर्डर पर सड़कों पर कील लगाने और कंक्रीट की दीवारें बनाए जाने पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, दिल्ली-गाजीपुर, टीकरी हो या सिंधु बोर्डर हो. सड़क खोदकर कंक्रीट की दीवारें बना दी गई हैं. इतनी सुरक्षा तो हमारी पार्लियामेंट में भी नहीं है. पाकिस्तान बॉर्डर गया हूं, वहां भी इतनी सुरक्षा नहीं है. राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा, मेरा ये सवाल है कि आप कहते हैं कि हम किसानों के लिए कानून लाएं. किसान कहते हैं कि हमारे लिए ठीक नहीं है तो फिर आप क्यों कानूनों को थोप रहे हो. आर्डिनेंस आ गए थे जून में. बाद में विधेयक आया. मैं आपको एमएसपी का उदाहरण देता हूं. पिछले साल जब अध्यादेश नहीं आया था, तब हमारे यहां मक्का का भाव 22 सौ रुपये क्विंटल था. जब अध्यादेश लागू कर दिया तो 11 सौ रुपये क्विंटल हो गया, जबकि मक्के की एमएसपी की हाईब्रिड की 2660 रुपये और सामान्य मक्का की 1860 रुपये प्रति क्विंटल है.

एक नजर....

यातायात जागरूकता अभियान

ग्वालियर। यातायात पुलिस ग्वालियर द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी के निर्देश पर चलाये जा रहे यातायात जागरूकता अभियान के दौरान यातायात पुलिस ग्वालियर द्वारा बारादरी मुरार राम नगर स्थितनवयुग चिल्ड्रन हा.से. स्कूल मेंयातायात नियमों तथा महिला जागरूकता अभियान की जानकारी देने हेतु आयोजित सेमीनार में अति. पुलिस अधीक्षक यातायात पंकज पाण्डेय के द्वारा स्कूली छात्र.छात्राओं को शार्ट फिल्म्स व वीडियोज के जरिये छात्र एवं छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में समझाईश दी। एएसपी यातायात द्वाराप्रोजेक्टर के माध्यम से सभी प्रशिक्षणार्थियों को यातायात नियमों व महिला जागरूकता अभियान सम्मान का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त उप पुलिस अधीक्षक यातायात नरेश अन्नोटिया द्वारा गुढ़ा गुढ़ी का नाका स्थित रेडियंट स्कूल में भी प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी छात्र एवं छात्राओं को यातायात नियमों का प्रशिक्षण दिया गया।

भारतीय किसान समन्वय के बैनर तले फूलबाग में हुई महापंचायत

(महेंद्र शर्मा)

ग्वालियर। राजेश शर्मा ने प्रेस को बताया कि फूलबाग पर हुई किसान महापंचायत में वह चित्र से 200 लोगों ने हिस्सेदारी की, तीनों काले कृषि कानूनों की वापसी की मांग को लेकर मैं जो आंदोलन चल रहा है किसान आंदोलन के समर्थन में ग्वालियर में फूल बाग गेट पर अखिल भारतीय किसान संघ समन्वय समिति के बैनर तले किसान कार्यकर्ता पिछले 1 महीने से धरना दे रहे थे, लेकिन पिछले 31 जनवरी को शाम को 4ः00 बजे ह.ह्य.ह्य. भाजपा के गुंडों ने धरना स्थल पर किसानों पर जानलेवा हमला किया, उनके हाथों में तिरंगे थे, धरना स्थल पर महापुरुषों शहीदे आजम भगत सिंह, बाबा साहब अंबेडकर, सावित्रीबाई फुले की तस्वीरें लगी हुई थी, उन तस्वीरों को तोड़ दिया, जब वहां मौजूद जनता ने विरोध किया, तो यह गुंडे भाग खड़े हुए, भाजपा आरएसएस की इस अलोकतांत्रिक कृत्य और गुंडागर्दी के खिलाफ आज 3 फरवरी को ग्वालियर पुरवा गेट पर किसान पंचायत का आयोजन किया गया जिसको मुख्य रूप से मुलताई से पूर्व विधायक डॉ सुनीलम, अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बादल सरोज ने संबोधित किया, और किसान पंचायत में संकल्प लिया गया केस दमन का मुकाबला मजबूती के साथ किया जाएगा इस किसान पंचायत में गोहद क्षेत्र से तमाम किसान नेता पहुंचे. प्रेम नारायण माहोर, राजेश शर्मा, वीरेंद्र कुशवाहा, नारायण शर्मा मुन्ना लाल कुशवाहा, राजेंद्र सिंह कुशवाह, भूपेंद्र गुर्जर, रशीद खान, रामसेवक बाबा, गंगा सिंह कुशवाह, रणवीर कुशवाह, गुड्डू भाई माहोर, त्रिवेणी कुशवाहा शोभा माहौर, अनिता गोस्वामी, मंजू कुशवाहा, देवेंद्र शर्मा, हरगोविंद जाटव इत्यादि मौजूद थे।

4 को युवा कांग्रेस की मीटिंग भिंड

गोहद (महेंद्र शर्मा)

भिंड। डॉ. राजकुमार देशलहरा ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि कल दिनांक 4/2/2021 को दोपहर 12ः30 बजे युवा कांग्रेस कमेटी भिंड द्वारा जिले के सभी पदाधिकारियों की पहली मीटिंग रखी गई है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रभारी भारतीय यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव श्री शेष नारायण ओझा जी एवं युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव मा.अनिरुद्ध प्रताप सिंह जी, प्रभारी सचिव श्री तारिक पठान जी उपस्थित रहेंगे मीटिंग में संगठन विस्तार को लेकर एवं दिल्ली चल रहे किसान आंदोलन सांसद घेराव के संबंध में चर्चा की जाएगी सभी युवा कांग्रेस के पूर्व एवं वर्तमान साथियों से विनम्र निवेदन है कि आप सभी साथी एवं जो युवा कांग्रेस में जुड़ना चाहते हैं वह सभी साथी आमंत्रित हैं युवा कांग्रेस भिंड के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का मीटिंग में उपस्थित होना अति आवश्यक एवं अनिवार्य है स्थान - भारौली तिराहे पर पुलिस चौकी के पास भिंड डॉक्टर गोविंद सिंह जी के टिकासरे पर मीटिंग का आयोजन रखा गया है।

लौना में रामलीला का हुआ समापन अहंकारी रावण का हुआ वध

रामलीला समापन के बाद मुख्यातिथि शरद निरंजन व कलाकारो को किया गया सम्मानित, भगवान श्री राम हमारे आराध्य हैः शरद निरंजन

मंडल ब्यूरो- रूप सिंह

कोंच(जालौन) कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम लौना में आयोजित की जा रही रामलीला का रविवार को समापन किया गया।समापन दिन पहले रावण वध लीला, तदुपरांत श्रीराम राज्याभिषेक लीला का मंचन कलाकारों द्वारा रंगमंच पर किया गया जिसे देखने के लिये सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण व क्षेत्र वासी देर रात तक जमे रहे।समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित युवा बसपा नेता शरद निरंजन बिरगुआ ने उपस्थित क्षेत्रवासियों से रामलीला के महानायक प्रभु श्रीराम के आचरण व विचारों को आत्मसात कर जीवन को सुधारने की सीख दी। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का आयोजन कमिटी सदस्यों द्वारा माल्यार्पण कर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत/सम्मानित किया गया।वहीं मुख्य अतिथियों ने रामलीला के सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया रामलीला आयोजन समिति के संरक्षक आदित्य मिश्रा अध्यक्ष उमाशंकर कुशमरिया, उपाध्यक्ष आशुतोष कुशमरिया नातीराजा,कोषाध्यक्ष दयासागर,जितेंद्र कुमार,मंत्री रामकुमार पटेल रीनू, सुशील पटेल, संजीव कुमार नन्ना लौना, शशिकांत पटेल,प्रदीप नितिन शिवम,कुंदन पटेल, गुड़ीराम,राहुल पटेल पूर्व प्रधान छोटू परिहार, कृष्णकांत कुशवाहा, ऋषि कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

दबोह उप डाकघर की बड़ी लापरवाही,कई पोस्टमास्टर व कर्मचारियों पर गिर सकती है गाज

जनता के पास पहुंचने वाले आधार कार्ड,पैन कार्ड व पासबुक मिली कचड़े में

दबोह(अर्पित गुप्ता)। शासन की ओर से डांकघर को इसलिए स्थापित किया गया है कि लोगो के पास उनके दस्तावेज व अन्य सामग्री समय पर उपलब्ध हो सके परन्तु यहां मामला कुछ और ही है कि यहां उप डांकघर पर लोगो के पास पहुंचने वाली डांके कचड़े में मिली।विस्तार से जानकारी के लिए यहां बता दें कि मामला भिण्ड जिले के दबोह कस्बे में स्थापित उप डांकघर का है जहां पर सूत्रों की माने तो गरीब किसानों के पास पहुंचने बाली डांक उन तक न पहुँचते हुए कचड़े दान में मिली है।जिसमे मुख्य रूप से आधार कार्ड,पैन कार्ड व पासबुक(सूत्रों के मुताबिक)शामिल है।हैरानी तो तब होगी जब आप सुनेंगे की यह डांक 2017-2018 की हैं जो अभी तक उप डांकघर मे पदस्थ पोस्ट मास्टर व स्टाफ की लापरवाही के चलते लोगो तक पहुंचाई नही गई।इससे साफ स्पष्ट है कि कस्बे दबोह में संचालित उप डांक घर मे अनिमितताओं का अंबार है।सूत्रों की माने तो अगर बीते वर्ष 2017 से दबोह उप डांक घर मे लोगो तक पहुंचाने के लिए आई हुई डांको की जांच की जाए की आमजनता तक उनके आधार व पैन कार्ड पहुंचे है कि तो एक बड़ा ही घोटाला उप डांक घर दबोह का सामने आ सकता है जिसमे वर्ष 2017 से पदस्थ सभी कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है।तो वहीं दबोह उप डांक घर मे पदस्थ कर्मचारी इस घटना के बाद नगर के छुटभैया नेताओ के चरणों मे शरणमगच्छामि हो चुके है क्यों कि नगर के छुटभैया नेता जी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि कुछ न होने वाला आप सभी निश्चिंत रहे।फिलहाल तो यहां बता दें कि अगर वरिष्ठ अधिकारियो ने वर्ष 2017 से अब तक कि जांच अगर दबोह उप डांक घर को प्राप्त डांक व बांटी गई डांक की कर डाली तो एक बड़ी लापरवाही सामने आ सकती है।जिसमे 2017 से अब तक पदस्थ सभी अधिकारियों व कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है।तो वही जब इस सम्बंध में दबोह पोस्ट मास्टर से बातचीत की गई यो उन्होंने पत्रकार से अभद्रता तक कर डाली।अब देखना यह है कि क्या वरिष्ठ अधिकारी महोदय किसी टीम का गठन कर जांच करेंगे या फिर यही ढुलमुल रवैया चलाते हुए वह भी शासन को आइना दिखाते रहेंगे।

आरोपी की बहन के बारे में गलत बातें बोलना युवक को पड़ा महंगा,भाई ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उतारा था मौत के घाट

ओरछा रोड थाना प्रभारी माधवी अग्निहोत्री ने 48 घंटे के अंदर दबोचे अंधे कत्ल के आरोपी

छतरपुर(अर्पित गुप्ता)। ओरछा रोड थाना क्षेत्र के अंधे कत्ल का एएसपी समीर सौरभ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया खुलासा,ओरछा रोड थाना प्रभारी माधवी अग्निहोत्री की टीम ने 2 आरोपी 1 बाल अपचारी को दबोचा,बाल अपचारी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर रची थी हत्या करने की वारदात,मृतक बाल अपचारी की बहन के बारे में गलत गलत चीजे बोलकर उड़ाता मजाक,ओरछा रोड थाना पुलिस ने आरिफ खान उर्फ छोटू एवं अरमान राइन उर्फ माया सहित बाल अपचारी को किया गिरफ्तार,चाकुओं से गोदकर पत्थर पटक कर वकील राइन को उतारा था मौत के घाट,ओरछा रोड थाना क्षेत्र नटपुरवा की थी घटना।

पत्नी को प्रताड़ित करना पड़ा महंगा, सास, ससुर के साथ पति देवर और ननद पर हुई कायमी

लहार (अर्पित गुप्ता)। लहार नगर के वार्ड 3 निवासी मोहनी पुत्री रामप्रकाश सोनी का विवाह एक वर्ष पहले भिण्ड के शास्त्री नगर वार्ड 9 निवासी रवि सोनी के साथ हुआ था,शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा मोहनी को दहेज के लिये प्रताड़ित किया जाने लगा था,बीते कुछ समय पहले मोहनी के साथ मारपीट की गई व जान से मारने की धमकी दी गई,जिस पर मोहनी द्वारा लहार थाना में शिकायत की गई,जिस पर पुलिस द्वारा मोहनी के पति रवि सोनी,ससुर राममूर्ति सोनी,सास सरोज सोनी,ननद दिव्यानी उर्फ लाली,देवर सोनू सोनी पर धारा 498 (ए),323,294,506,34 भादवी 3/4 दहेज एक्ट की कायमी की गई।

चना,मसूर एवं सरसों के पंजीयन 25 फरवरी तक होंगे

भिण्ड(ब्यूरो रिपोर्ट)। म.प्र.शासन किसान कल्याण विभाग के निर्देषानुसार भारत सरकार की पाईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत रबि विपणन वर्ष 2021-22 में चना, मसूर एवं सरसो को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन हेतु 1 फरवरी से 25 फरवरी 2021 तक पंजीयन किये जाएंगे। कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि किसान भाई चना, समूर एवं सरसो का समर्थन मूल्य उपार्जन के लिए अपना पंजीयन 25 फरवरी 2021 तक कराना सुनिष्चित करें। उन्होंने कहा कि पंजीयन निर्धारित समयावधि में कराये जाने हेतु प्रचार-प्रसार मानीटरिंग आदि के लिए किसान कल्याण कृषि विभाग भिण्ड के उप संचालक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने नोडल अधिकारी उप संचालक कृषि को निर्देषित किया है कि प्रत्येक पंजीयन केन्द्र पर पंजीयन की मॉनीटरिंग हेतु नोडल पर्यवेक्षण अधिकारी के रूप में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की ड्यूटी लगाऐ।

कृषि साख सहकारी संस्था के कर्मचारियों का प्रदर्शन

डबरा(अर्पित गुप्ता)। प्रदेश भर में कृषि साख सहकारी संस्था के कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं इसी के चलते डबरा में भी कृषि साख सहकारी संस्था के कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर डबरा अनुविभागीय अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार सीताराम वर्मा को एक ज्ञापन दिया है ज्ञापन में कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की बात कही है कर्मचारियों की मांगे ना माने जाने पर दिनांक 4 फरवरी 2021 से सभी सहकारी संस्था के कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन कलम बंद हड़ताल करने का निर्णय लिया है। वहीं पर प्रदर्शन कर रहा है साख सहकारी संस्था के कर्मचारियों की बात करें तो उनका कहना है कि उनकी तीन सूत्रीय मांगे हैं जिन्हें पूरा करने के लिए वह प्रदर्शन कर रहे हैं उनकी पहली मांग कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर है तो दूसरी मांग में कर्मचारियों ने संस्थाओं पर वितरण के लिए भेजे जा रहे राशन में कटौती करना बताया गया है। वहीं तीसरी मांग में कर्मचारियों का कहना है कि सहकारी संस्थाओं के उपार्जन केंद्रों पर जो किसानों से खरीदी की गई थी उनके कमीशन भुगतान आज दिनांक तक कर्मचारियों को नहीं किए गए हैं उन्हें जल्द किया जाए। इन्ही तीनों मांगों को लेकर सभी कर्मचारी लामबंद हुए हैं और जब तक उनकी यह मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक सभी कर्मचारी 4 फरवरी 2021 से अनिश्चितकालीन कलम बंद हड़ताल पर बैठ रहे हैं।

एमपी की विद्युत कंपनियों के निजीकरण के विरोध में 3 फरवरी को संपूर्ण कार्य का बहिष्कार विद्युत अधिकारी कर्मचारियों ने किया

केशब पंडित जी अम्बाह...

केन्द्र सरकार विद्युत क्षेत्र में वितरण कंपनियों के घाटे एवं उपभोक्ताओं को सुविधाओं के नाम पर औद्योगिक घरानों को फायदा पहुँचाने के लिये संपूर्ण विद्युत क्षेत्र का निजीकरण के लिये बजट भाषण में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषणा की गयी है। केन्द्र सरकार विद्युत क्षेत्र के विशेषज्ञों से बात न करके एवं चर्चा के लिये विद्युत क्षेत्र के संगठनों को समय न देकर एक तरफा निर्णय लेकर विद्युत सुधार अधिनियम 2021 एवं वितरण कंपनियों के लिये निजीकरण हेतु एसबीडी लाकर निजीकरण करने जा रही है, जिससे आम उपभोक्ता, किसानों एवं विद्युत क्षेत्र में कार्यरत सभी प्रकार के कर्मचारियों का भविष्य अंधकारमय होगा। इन सब मुद्दों को लेकर नेशनल कॉडिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रीसीटी एम्पलाइज एवं इंजीनियर्स द्वारा पूरे देश में 3 फरवरी को एक दिवसीय पूर्ण कार्य वहिष्कार का आव्हान किया है,

जिसके अंतर्गत मप्र यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्पलाइज एवं इंजीनियर के बैनर तले अम्बाह में भी कार्य वहिष्कार किया जायेगा। यूनाइटेड फोरम ग्वालियर रीजन के कार्यकारणी सदस्य शैलेष कुचया जी ने बताया कि एनसीसीओईईई की मुख्य मांगे निम्नानुसार है-

1. प्रस्तावित विद्युत सुधार बिल 2021 एवं एसबीडी को तुरन्त वापस लिया जाये।
2. प्रदेश एवं केन्द्र शासि?त प्रदेशों में वितरण कंपनियों के निजीकरण को वापस लिया जाकर देश में प्राइवेट लाइसेंसी एवं फ्रेंचाइजी समाप्त की जाये।
3. पूरे देश में उत्पादन, पारेषण एवं वितरण कंपनियों का केरल एवं हिमाचल राज्य विद्युत बोर्ड की तरह एकीकरण किया जाये।
4. नई पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना लागू की जाये एवं अनिवार्य सेवानिवृत को विद्युत क्षेत्र में समाप्त किया जाये।
5 संविदा कर्मियों के नियमितीकरण के साथ-साथ आउटसोर्स कर्मियों को तेलगांना शासन की तर्ज पर संविलियन किया जाये।
6. अधोसंरचना अनुसार नये पद सृजन कर उन्हें केवल नियमित कर्मचारियों से भरा जाये।

एक दिवसीय कार्य बहिष्कार का स्वरूप इस तरह रहेगा 3 फरवरी को पावर हाउस एवं विद्युत उपकेन्द्रों की शिफ्ट ड्यूटी को कार्य बहिष्कार से छूट रहेगी। आपातकालीन सेवाऐं जैसे- अस्पताल, वाटर सप्लाई, कोर्ट आदि को छोड़कर किसी भी विद्युत व्यवधान में सुधार कार्य नहीं किया जायेगा। प्रतिदिन की तरह आवश्यक उपस्थिति दर्ज कराकर किसी भी प्रकार कार्य नहीं किये जायेगे। साथ ही सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने शहर के प्रमुख कार्यालय में शांतिपूर्ण ढंग से एकत्रित रहेगें एवं कार्य बहिष्कार को सफल बनायेगें। 3 फरवरी बिजली कंपनियों के निजीकरण के विरोध में 1 दिन का कार्य बहिष्कार पूरे देश के साथ अम्बाह में विद्युत अधिकारी कर्मचारी एकत्रित हुए और बिजली निजीकरण का विरोध किया, अभी यह विरोध 1 दिन का है निजीकरण नहीं रुका तो जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में बिजली अधिकारी कर्मचारियों ने काम बंद कर पूरा प्रदेश अंधेरे में चला गया था उसी प्रकार मध्यप्रदेश में भी विद्युत अधिकारी कर्मचारी काम बंद हड़ताल के लिए आगाज करेंगे.

7 फरवरी में विशाल रैली

7 फरवरी में बिजली कंपनियों के निजीकरण के विरोध में बिजली कंपनियों के विद्युत अधिकारी कर्मचारी भोपाल गोविंदपुरा में एकत्रित होंगे और विशाल रैली के रूप में गोविंदपुरा से बल्लभ भवन तक रैली कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे।

एक नजर...

तुम हमारे बीच के इस कांटे को कब हटाओगे? आरोपी ने पुलिस के सामने किया यह खुलासा

इंदौर। सोमवार को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के हातोद इलाके में उस वक़्त सनसनी फैल गई थी, जब वहां के खेत में एक खून से सनी लाश मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया था। अब उसी मामले में पुलिस ने खुलासा किया है कि युवक की हत्या उसी की पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी। आरोपी ने बताया कि वह जब भी अपनी प्रेमिका से बात करती थी, तब वह यही कहा करती थी तुम हमारे बीच के इस कांटे को कब हटाओगे? मामले का खुलासा करते हुए आईजी हरिनारायण चारी मिश्र ने बताया, जीवन चौधरी की पत्नी का हातोद में रहने वाले युवक नितिन चौधरी से प्रेम प्रसंग था। प्रेमी का घर पर भी आना जाना था। महिला प्रेमी से फोन कर रोज कहती थी कि हमारे बीच के इस कांटे को कब हटाओगे? इस बात को लेकर आरोपी नितिन कई दिनों से इस फिराक में था कि जीवन को मौत के घाट उतारा जाए। हत्या वाले दिन आरोपी जीवन को अपने साथ लेकर गया और वारदात को अंजाम दिया। घटनास्थल के पास से एक बाइक और मृतक का मोबाइल भी मिला था। वहीं, आरोपी ने कबूला कि, दोनों का 2 से 3 साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। उनके रिश्ते महिला की शादी के पहले से थे। हालांकि दोनों का विवाह नहीं हो पाया था।

क्या था घटनाक्रम ?

हातोद के टीआई नरेंद्र भदौरिया ने कहा कि हमें सोमवार को मामले की जानकारी तब हुई जब नौगांवा में एक खेत मालिक अपने खेत गया हुआ था, जहां उसने देखा कि एक युवक की लाश गेहूं के बीच में पड़ी थी। उसका गला कटा हुआ था। उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने ग्रामीणों को युवक को दिखाया। देर रात हातोद के ही एक परिवार ने पुलिस से संपर्क कर मृतक को परिवार का सदस्य बताया। युवक की शिनाख्त जीवन (28) के रूप में हुई। गेहूं की बालियां टूटी होने से प्रथम दृष्टया लग रहा था कि हत्या के दौरान आरोपी और मृतक के बीच झड़प हुई थी।

यूपी में पूर्व आईएएस सत्येंद्र सिंह के घर मिली एक अरब से ज्यादा की संपत्ति, नौ ठिकानों पर सीबीआई के छापे

लखनऊ। सीबीआई ने खनन घोटाले में कौशांबी के जिलाधिकारी रहे पूर्व आईएएस सत्येंद्र सिंह और उनके करीबी रिश्तेदारों के लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद और दिल्ली में नौ ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस दौरान सीबीआई ने 10 लाख नकद, 51 लाख रुपये के फिक्स डिपाजिट समेत करोड़ों की संपत्ति बरामद की है। उन पर आरोप हैं कि कौशांबी में डीएम रहते हुए उन्होंने शासन के निर्देशों की अनदेखी की और चहेतों को बिना टेंडर की शर्तों का अनुपालन किए हुए खनिज खनन का करोड़ों रुपये का ठेका दे दिया। मामले में उनके अलावा नौ अन्य खनन व्यापारियों के घर भी छापे मारे गए हैं। सत्येंद्र सिंह तत्कालीन सपा सरकार के चहेते अधिकारी रहे हैं। वह लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और लखनऊ के डीएम भी रह चुके हैं। सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि हाईकोर्ट ने वर्ष 2016 में कौशांबी में गैरकानूनी ढंग से हुए घोटाले की जांच सीबीआई को करने के आदेश दिए थे। इस मामले में सीबीआई प्रारंभिक छानबीन कर रही थी और सबूत जुटाने के बाद सीबीआई ने छापे की कार्रवाई की। जांच में पता चला कि तत्कालीन डीएम कौशांबी के पद पर रहते हुए सत्येंद्र सिंह ने वर्ष 2012-14 के बीच कुछ चहेतों को खनन का ठेका दिया। उन्होंने शासन के नियमों के खिलाफ दो नए ठेके अलग-अलग जारी किए। इसी के साथ नौ पट्टों का नवीनीकरण अपने खास लोगों के पक्ष में कर दिया। सीबीआई ने ठेके से जुड़े दस्तावेजों का परीक्षण किया तो अनियमितता सामने आई। पता चला कि शासन ने 31 मई 2012 को आदेश दिया था कि खनन के सभी टेंडर ई-टेंडर के जरिये दिए जाएं लेकिन इस पर अमल नहीं किया गया।

सत्येंद्र सिंह समेत दस पर एफआईआर–सीबीआई ने प्रारंभिक जांच करने के बाद पूर्व आईएएस सत्येंद्र सिंह समेत 10 खनन व्यापारियों पर भी केस दर्ज किया। इस में मुख्य रूप से सत्येंद्र सिंह, कौशांबी के नेपाली निषाद, नरनारायण मिश्रा,रमाकांत द्विवेदी, खेमराज सिंह, मुन्नी लाल, शिव प्रकाश सिंह, राम अभिलाष, योगेंद्र सिंह और प्रयागराज निवासी राम प्रताप सिंह को नामजद कर एफआईआर दर्ज की है। सत्येंद्र सिंह के खिलाफ पद के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही अन्य खनन व्यापारियों को धोखाधड़ी व सरकारी नियमों का उल्लंघन करने का केस दर्ज हुआ है।

अचल संपत्ति के 44 दस्तावेज बरामद–सीबीआई ने छापे में अचल संपत्ति से जुड़े 44 दस्तावेज बरामद किए हैं। सीबीआई इनकी कीमत का आकलन कर रही है। सीबीआई के सूत्रों का दावा है कि इनकी बाजार में कीमत 50 करोड़ रुपये के आसपास होगी। सीबीआई को छापे में 36 बैंक खातों की जानकारी मिली है, वहीं उनके घर से 10 लाख रुपये नकद मिले हैं। सीबीआई को उनके छह बैंक लॉकरों की जानकारी मिली। बैंक लॉकर की छानबीन में सीबीआई को 2.11 करोड़ रुपये कीमत के सोने के जेवर व अन्य जेवरात बरामद हुए हैं। साथ ही लॉकर से सीबीआई ने एक लाख रुपये की पुरानी करेंसी भी बरामद की है।

अम्बाह एन.सी.सी. कैडेट्स ने पिलाई पोलियो की दवा

केशब पडिंत जी अम्बाह...

अम्बाह... महात्मा लोचन दास उ.मा .विद्यालय के एन सी सी 30 एम पी बटालियन के कैडेट्स ने 31 जनवरी से 2 फरवरी तक चल रहे पोलियो अभियान के तहत वार्ड नंबर- 4 के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई साथ ही एन सी सी अधिकारी श्री आर.के.पचौरी ने लोगों को पोलियो की बिमारी से जागरूक रहने को कहा इस अवसर पर श्री मती ममता सेंगर (ए.एन.एम.) श्री मती पूनम गुप्ता (आगनवाडी कार्यकर्ता) एवं एन सी सी कैडेट -अनुज पचौरी, आदिल खान, अभय शर्मा, नीतेश किरार, अमित भदौरिया उपस्थित रहे...

यूपी बोर्ड के पाठ्यक्रम में शामिल होगा चौरी चौरा कांड, सीएम योगी ने दिया निर्देश

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र अब चौरी-चौरा जनआक्रोश के शहीदों की वीरगाथाएं किताबों में पढ़ सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर माध्यमिक शिक्षा विभाग चौरी चौरा की घटना को यूपी बोर्ड के पाठयक्रम में शामिल करने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने चौरी चौरा जनआक्रोश को शताब्दी समारोह के रूप में मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में पहले चरण में गोरखपुर मंडल के 400 से अधिक राजकीय व एडेड माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को चौरी चौरा स्थल का भ्रमण कराया जाएगा। इससे छात्र वहां के शहीदों की गाथाओं से रूबरू हो सकेंगे।

मप्र में कोरोना वायरस के 168 नए मामले, तीन और लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 168 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही राज्य में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाये गये लोगों की कुल संख्या 2,55,431 तक पहुंच गयी। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से तीन और लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद मरने वालों की संख्या बढ़ कर 3815 हो गई है। अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से खरगोन, रतलाम एवं दमोह में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 924 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 612, उज्जैन में 104, सागर में 150, जबलपुर में 251 एवं ग्वालियर में 226 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया

कि प्रदेश में मंगलवार को कोविड-19 के 31 नए मामले इंदौर में आए, जबकि भोपाल में 39 नये मामले आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 2,55,431 संक्रमितों में से अब तक 2,49,193 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गए हैं और 2,423 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को 296 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

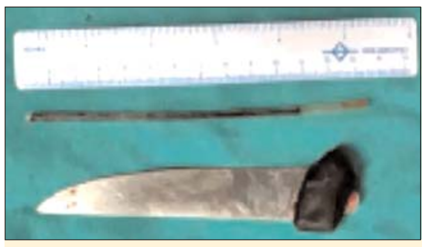

युवक ने निगली 5 इंच बड़ी नुकीली चाकू, चार घंटे की सर्जरी के बाद जानें और क्या-क्या निकला

भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है, जहां एक संजय (32 वर्षीय, बदला हुआ नाम) के पेट से सर्जरी कर 5 इंच का नुकीला चाकू निकाला गया है। बताया जा रहा है कि युवक पिछले डेढ़ साल से लोहा व स्टील से बने सामान को खा जाता था। परिजनों को युवक की इस आदत का पता करीब डेढ़ साल पहले तब चला, जब पेट दर्द होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद सोनोग्राफी में उसके पेट में चम्मच और सेफ्टी पिन दिखी। इसके बाद डॉक्टर्स ने पेट की सर्जरी कर चम्मच व सेफ्टी पिन निकाली थी। परिजनों ने बताया कि उन्हें ही उसके इस लत का पहले पता नहीं चला लेकिन डेढ़ साल पहले जब डॉक्टर्स ने पेट की सर्जरी कर चम्मच व सेफ्टी पिन निकाली थी। तभी से घर का सारा सामान युवक की नजरों से छुपकर रखा जाने लगा इसके बावजूद भी युवक घरवालों की नजरो से बच-बचाकर मेटल से बने सामान को खा लेता। घरवालों ने बताया कि बीते 24 जनवरी को संजय ने 5 इंच लंबा और 3 सेंटीमीटर चौड़ा चाकू खा लिया। इससे उसे सांस लेने और निगलने में तकलीफ हुई। इसके बाद उसे छतरपुर जिला अस्पताल कराया गया था लेकिन तकलीफ बढ़ने के बाद उसे एम्स में रेफर किया गया था। संजय को एम्स में 26 जनवरी को भर्ती किया गया था। वहां इमरजेंसी में ईएनटी डिपार्टमेंट के डॉक्टरों ने मरीज की आहार नली का एक्सरे कराया। इसमें करीब पांच इंच लंबा नुकीला चाकू फंसा होने का खुलासा हुआ। साथ ही पेन की छह इंच लंबी रिफिल भी फंसी हुई थी। इमरजेंसी में मरीज की एंडोस्कोपी कर आहार नली में फंसी रिफिल को निकाला गया। इसके बाद 26 जनवरी को चार घंटे तक चली जटिल सर्जरी के बाद आहार नली की इमरजेंसी सर्जरी कर चाकू को निकाला गया। हालांकि, संजय की सेहत फिलहाल स्थिर है। वहीं, मरीज की मुश्किलें अभी भी कम नहीं हुई है क्योंकि डॉक्टरों ने बताया है कि संजय के पेट में अभी दो चम्मच और हैं, जिन्हें बाद में निकाला जाएगा।

कोरोना के केस कम होते ही हटी कुछ पाबंदियां, शादियों के लिए नहीं लेनी होगी इज़ाजत पर

मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग अब भी जरूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक फरवरी से नई कोरोना एसओपी जारी होने के बाद अब कई सारी पाबंदियों से छूट मिल गई है। इसके तहत अब किसी भी व्यक्ति को शादी या अन्य पारिवारिक आयोजनों के हेतु जिला प्रशासन से मंजूरी नहीं लेनी होगी। साथ ही आयोजन में शामिल होने वाले व्यक्तियों की संख्या पर से भी पाबंदी हटा दी गई है। लेकिन शर्त यह है कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और मास्क पहनना जरूरी होगा। आपको बता दें कि, देश में कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार ने गाइड लाइन जारी कर कहा था कि, कोई भी व्यक्ति शादी-विवाह और पारिवारिक आयोजनों में 100 से ज्यादा लोग नहीं बुला सकता है। लेकिन अब मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग के अलावा सारी पाबंदियां जिला प्रशासन ने खत्म कर दी हैं।

इसके साथ ही सिनेमाघरों को भी 50 प्रतिशत क्षमता पर ही संचालित करने की अनुमति थी। लेकिन, अब शत-प्रतिशत क्षमता के साथ इनका संचालन किया जा सकेगा। इसी तरह थियेटर व अन्य मनोरंजक आयोजन में भी किसी तरह की बाध्यता नहीं रहेगी। ज्ञात है कि संक्रमण को रोकने के लिए सरकार ने निर्देश दिए थे कि, कोरोनाकाल में मंदिरों से घंटियां हटा दी जाए और साथ ही कपडें बाँध दिए जाएं। ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके, लेकिन अब इस पाबंदी के हटने के बाद लोग मंदिरों में घंटियां बजा सकेंगे। साथ ही मंदिरों में होने वाले सभे धार्मिक आयोजन भी हो सकेंगे। लेकिन यहां भी मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखना होगा। इसी तरह प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लगने वाले मेलों का आयोजन हो सकेगा लेकिन आयोजकों से कहा गया है कि, मेलों में मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान देना होगा। यदि उल्लंघन हुआ तो कार्रवाई निश्चित है।

गाड़ी चलाते समय थूकने पर लग सकता है 1000 रुपये तक का जुर्माना

लखनऊ। योगी सरकार यूपी में स्वच्छता मिशन को और सख्त बनाने जा रही है। सड़क पर गंदगी फैलाने वाले और थूकने वालों पर जल्द ही शिकंजा कसा जाएगा। ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाने की तैयारी योगी सरकार कर चुकी है। इसके लिए उत्तर प्रदेश ठोस अपशिष्ठ (प्रबंधन, संचालन एवं स्वच्छता) नियमावली-2021 को जल्द कैबिनेट से पास कराने की तैयारी है। नगर विकास विभाग ने इस पर लोगों से राय और सुझाव मांगे हैं। इसके मुताबिक गाड़ी चलाते समय अगर थूका या फिर कोई सामन फेंक कर गंदगी फैलाई तो बड़े शहरों में 1000 रुपये जुर्माना भरना पड़ेगा।

शहरों की सफाई के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। मसलन, शहरों में जरूरत के आधार पर गीला और सूखा कूड़ा फेंकने के लिए डिब्बे रखवाए गए हैं। इसके साथ ही घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कूड़े को उठाने के लिए डोर-टू-डोर इसे एकत्र करने की व्यवस्था की गई है। गंदगी फैलाने पर जुर्माने के लिए अभी तक स्पष्ट प्रावधान नहीं है। कुछ नगर निगम उपविधि के आधार पर इसकी वसूली जरूर करते हैं, प्रस्तावित नियमावली में यह स्पष्ट प्रावधान कर दिया गया है कि किस शहर में क्या करने पर कितना जुर्माना वसूला जाएगा।

सामूहिक आयोजन के बाद सफाई जरूरी–शहरों में ऐसे सामूहिक आयोजन जिसमें 100 से अधिक लोग शामिल हुए हैं और कार्यक्रम खत्म होने के बाद सफाई नहीं कराई है, तो आयोजकों को जुर्माना भरना होगा। जुर्माने की यह राशि क्षेत्रफल, कचरे और के हिसाब से तय की जाएगी। फेरी या फिर पटरी पर दुकान लगाने वाले इधर-उधर गंदगी नहीं फेंक पाएंगे। उन्हें निकलने वाली गंदगी को रखने के लिए बंद डिब्बा अपने पास रखना होगा। इसमें ही उन्हें कूड़े को एकत्र करना होगा और निकाय की कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को देना होगा। अभी तक फेरी और पटरी दुकानदार जहां भी दुकान लगाते हैं वहां इधर-उधर कूड़ा फेंकते रहते हैं। इससे प्रदूषण तो बढ़ता ही है साथ में गंदगी भी इधर-उधर बिखरी रहती है। इसके साथ ही खुले में नाले और नालियों में कूड़ा फेंकने पर प्रतिबंध होगा। इसे साफ रखने का दायित्व कालोनी वालों का होगा। हाउसिंग सोसायटियों के अंदर की गलियों को रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी वालों को साफ कराना होगा और इससे निकलने वाली गंदगी को एक स्थान पर रखना होगा और उसे निकाय की कूड़ा गाड़ियों को देना होगा।

तीन शातिर अभियुक्त शराब बनाने के उपकरण व अवैध तमंचा कारतूस सहित गिरफ्तार

एटा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री सुनील कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना बागवाला पुलिस द्वारा तीन अभियुक्तों को अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण व एक तमंचा, 4 कारतूस जिन्दा 12 बोर के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। घटनाक्रमानुसार दिनांक 02.02.2021 को थाना बागवाला पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम कीलरमऊ से उत्तर दिशा में जाने वाले चकरोड से आगे खेत जंगल ग्राम कीलरमऊ से तीन अभियुक्तों को अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण व एक तमंचा, 4 कारतूस जिन्दा 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना बागवाला पर मु0अ0सं0 17/2021 धारा 60/60 (2) आबकारी अधिनियम बनाम सतीश व मु0अ0सं0 18/2021 धारा 60/60(2) आबकारी अधिनियम बनाम सुखवीर व जवाहरलाल तथा

मु0अ0सं0 19/2021 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम जवाहरलाल पंजीकृत कर थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नामपता = सतीश पुत्र दयाराम व सुखवीर पुत्र ताराचन्द्र जवाहरलाल पुत्र रामदास निवासीगण कीलरमऊ थाना बागवाला एटा।

बरामदगी- दो गैस सिलेन्डर - एक डबल चूल्हा स्टील- एक लोहे का ड्रम- एक लोहे का तसला- दो थाली/ तस्तरी- एक लोहे का पीपा- एक भगोना- 2 प्लास्टिक कट्टी में 23 लीटर कच्ची शराब- 1 तमंचा 4 कारतूस जिन्दा 12 बोर।- करीब 50 लीटर लहन मौके पर नष्ट किया गया

गिरफ्तार करने वाला पुलिस बल–थानाध्यक्ष रामकेश राजपूत- उ0नि0 जयमल सिंह- है0का0 प्रदीप कुमार- है0का0 शान मुहम्मद- है0का0 धीरी सिंह- का0 अनुज कुमार- का0 निखिल कुमार- का0 आकाश कुमार- का0 संजीव कुमार।

नशा समाज को दीमक की तरह चाट रहा–शर्मा

पंकज त्रिपाठी

भिण्ड (पुष्पांजली टुडे)।मध्यप्रदेश अभियान परिषद (योजना आर्थिक सांख्यिकी विभाग) विकासखंड रौन के तत्वाधान में महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि 30 जनवरी से 07 फरबरी तक विभिन्न ग्रामों में प्रस्फुटन समिति, बीएसडब्ल्यू के छात्र एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिहोना में नशा मुक्ति पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में श्री संतोष बोहरे पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अरविंद मिश्रा प्राचार्य, मुख्य वक्ता श्री जय प्रकाश शर्मा ब्लॉक समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद एवं विशिष्ट अतिथि श्री बीपी त्यागी पूर्वप्राचार्य, श्री प्रेम नारायण शर्मा सदस्य बाल संरक्षण आयोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री हरी बाबू शर्मा द्वारा किया गया। श्री शर्मा ने कहा कि नशामुक्ति अभियान के सन्देश को जन जन पहुचाने की आवश्यकता है, नशे की आदत पूरे समाज को दीमक की तरह चाट रहा है,

इससे मुक्त हुए बिना युवा पीढ़ी विकास नही कर सकती। आचरण व्यवहार से समाज दूषित हो रहा है। श्री बोहरे जी ने कहा कि आज समाज के सभी वर्गों में बढ़ रही मादक पदार्थो के सेवन की प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक कर के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री त्यागी जी एवं श्री प्रेम नारायण शर्मा जी ने कहा कि नशा व्यक्ति को बर्बाद करता है, उसे बुराई की ओर ले जाता है। प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह नशे से बचें, दूसरों को भी जागरूक करें। अध्यक्षता कर रहें श्री मिश्रा जी ने इस अभियान में अधिक से अधिक व्यक्तियों को जुडकर अपनी सक्रिय भूमिका से एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान एवं सहयोग प्रदान करने हेतु प्रेरित किया। अंत में सभी ने नशा न करने और अभियान में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। श्री रज्जन शर्मा, विद्यालय स्टाप एवं बच्चे उपस्थित रहें। ग्राम चान्दोख में समिति अध्यक्ष श्री जगतपाल सिंह के द्वारा संगोष्ठी कर ग्रामीणों को नशीले पदार्थ का बहिष्कार करते हुए, नशे की आदत को समाप्त करने हेतु जागरूक किया।

राज्यमंत्री श्री परमार के निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में शिथिलीकरण

भिण्ड(ब्यूरो रिपोर्ट) स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इन्दर सिंह परमार ने दिवंगत शिक्षकों और कर्मचारियों के आश्रितों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। श्री परमार ने बताया कि शिक्षा विभाग के दिवंगत शिक्षकों और कर्मचारियों के आश्रितों ने यदि केंद्र सरकार की सी.टी.ई.टी. परीक्षा या मध्य प्रदेश सरकार की शिक्षक पात्रता परीक्षा (2011-12) या अन्य राज्य सरकार द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की हो। उस पात्रता परीक्षा की वैधता अवधि को संज्ञान में लिए बगैर, प्राथमिक शिक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए विचार किया जाएगा। श्री परमार ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए नियमों में शिथिलीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से संभागों और जिलों में लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा सकेगा। श्री परमार ने बताया कि एक अन्य निर्णय में निर्धारित योग्यता रखने वाले दिवंगत अध्यापक संवर्ग एवं नियमित शासकीय शिक्षक और कर्मचारियों के आश्रितों को, प्रयोगशाला शिक्षक के रिक्त पदों पर भी नियमों के अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति दी जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि प्रयोगशाला शिक्षक का वेतनमान तथा प्राथमिक शिक्षक का वेतनमान 5200- 20200 2400 ग्रेड पे समान है। प्रयोगशाला शिक्षक के पद पर शिक्षक पात्रता परीक्षा का बंधन नहीं है।

प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद के नेतृत्व में ताम्बंरम मुडिचुर क्षेत्र में परिचय पत्र वितरण का आयोजन हुआ

नारायणलाल सैणचा

चैन्नई–संगठन के माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय के नेतृत्व में संपूर्ण तमिलनाडु के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन से जुडे गीरवी, ओर ज्वेलर्स व्यपारियो को संगठन के आई डी कार्ड वितरित करने का कार्य तेज रफ्तार से चल रहा हैं। आईडी कार्ड वितरण की प्रतिक्रिया के तहत 3 फरवरी 2021 बुधवार को तमिलनाडु पौन ब्रोकर्स एवमं ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज का शुरुआती दौर तांबरम, मुडिचुर क्षेत्र मे स्थित आईमाता जी की वडेर मे रहा, वहां क्षेत्रीय प्रभारी तुलछाराम राठौड़, ओर सीरवी समाज ट्रस्ट तांबरम वडेर के अध्यक्ष भवरलाल काग सचिव हिरालाल सेपटा ने तमिलनाडु पौन ब्रोकर्स एवमं ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष तेजानंद स्वामी,उपाध्यक्ष भबुतराम कुलकधानिया एवं उत्तकोट्टै क्षेत्रीय प्रभारी भागीरथ चौधरी का शॉल द्वारा स्वागत किया गया प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद के नेतृत्व मे सभी सदस्यों को परिचय पत्र सुपुर्द किये गए, स्वामी जी ने कहा की परीचय पत्र वितरण की प्रतिक्रिया विभिन्न क्षैत्रों में पूर्ण भी कर दी गई हैं। आने वाले एक-दो दिन में डेल्टा क्षेत्र सहित चेन्नई के विभिन्न उपनगरीय क्षैत्रों में आईडी कार्ड वितरित कर दिये जायेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी तेजानंद ने की, इस मोके पर क्षेत्रीय प्रभारी तुलछाराम राठौड़, के साथ मांगीलाल चोयल, राजू पंवार, हिरालाल सेपटा, भवरलाल काग, विरमचंद चोयल, हिरालाल लेरचा, दानाराम भायल, जगदीश लचेटा, रमेश काग, मनोहर लाल काग,शिवलाल,ओमप्रकाश,केसाराम काग,ओर पड़प्पै क्षेत्र के प्रभारी उमाराम, किशनलाल कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

यूपी पंचायत चुनाव: उम्मीदवारों के लिए प्रशासन का नया आदेश, नहीं किया यह काम तो चुनाव लड़ना होगा मुश्किल

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव के लिए तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। वोटर लिस्ट जारी हो जाने के बाद अब नजरें आरक्षण सूची पर टिकीं हैं। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन भी अपनी तरफ से पूरी तैयारियां कर रहे हैं। वहीं अब इंतजार चुनाव की अधिसूचना जारी होने की है। तारीखों के ऐलान से पहले कई जिलों में स्थानीय पुलिस प्रशासन की नजरें चुनाव की तैयारी कर रहे दावेदारों के समर्थकों पर भी है। पुलिस का मानना है कि समर्थक ज्यादा बवाल करते हैं। ऐसे में कई जिलों में पुलिस ने होने वाले उम्मीदवारों के समर्थकों की सूची तलब करने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि नामांकन के बाद उम्मीदवार अपने 20 समर्थकों की सूची थाना पुलिस को देंगे। संबंधित क्षेत्र के अधिकारी इन समर्थकों का सत्यापन करने के साथ इनके संपर्क में रहेंगे। उम्मीदवार के चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने पर समर्थकों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। कन्नौज के एएसपी विनोद कुमार ने बताया कि उम्मीदवारों को इस बार अपने समर्थकों के भी नाम पुलिस को देने होंगे। कानपुर के आईजी मोहित अग्रवाल ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के समर्थकों की सूची तलब करने के निर्देश दिए हैं।

सम्पादकीय

कहीं मायूसी तो कहीं उम्मीदें

कोरोना संक्रमण-काल में जिस तरह के ऐतिहासिक बजट की उम्मीद की जा रही थी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस पर पूरी तरह से खरी नहीं उतर सकीं। यह एक औसत बजट है, जिसमें तमाम तरह के वादे तो किए गए हैं, लेकिन उन वादों को पूरा करने का कोई ठोस रोडमैप पेश नहीं किया गया है। हालांकि, सरकार कोरोना महामारी से पैदा आर्थिक संकट से उबरने की कुछ कोशिश करती दिख रही है। बजट का एक खास पक्ष यह भी है कि ज्यादातर घोषणाओं को इस साल नहीं, बल्कि अगले कुछ वर्षों में पूरा किया जाएगा। सदन में सरकार ने यह भी कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा, लेकिन इसे सीधे-सीधे फायदा पहुंचाने वाली किसी भी योजना का जिक्र बजट में नहीं है। यह अच्छी बात है कि सरकार ने इस बार स्वास्थ्य क्षेत्र पर ज्यादा जोर दिया है। बीते साल के 94 हजार करोड़ रुपये के मुकाबले 2021-22 में 2.23 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इससे भले ही सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता हो, लेकिन सच यही है कि जान की कोई कीमत नहीं होती। मगर इसमें भी एक पेच है। यह अनुमान काफी पहले से लगाया जा रहा था कि इस साल राजकोषीय घाटा बढ़ेगा और यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.8 प्रतिशत हो सकता है, लेकिन बजट में इसके 9.5 फीसदी होने की बात कही गई। यह काफी चिंताजनक स्थिति है। इसका अर्थ यह है कि कहीं न कहीं अधिक खर्च किए जा रहे हैं। संभव है, यह महामारी थामने के नाम पर ही हो रहा हो।सरकार यह कहकर अपनी पीठ ठोक रही है कि पूंजीगत व्यय में उसने अच्छी-खासीबढ़ोतरी की है। कहा गया है कि इस वर्ष 4.39 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय पर खर्च किए जाएंगे, जबकि अगले साल के लिए 5.54 लाख करोड़ रुपये खर्च का अनुमान लगाया गया है। इसका अर्थ है कि इसमें सिर्फ पांच फीसदी की वृद्धि की गई है, जो हमारी विकास दर को शायद ही गति दे सकेगी। इससे हमारी अर्थव्यवस्था पटरी पर नहीं लौट सकती। हमारा निवेश-जीडीपी अनुपात भी लगातार लुढ़क रहा है। यह अनुपात 34 फीसदी से घटकर 28.3 फीसदी हो गया है। चूंकि कल के बजट में सरकार की तरफ से निवेश बढ़ाने को लेकर कुछ ठोस नहीं कहा गया है, इसलिए चिंता यही है कि आने वाले दिनों में इसमें और गिरावट आ सकती है। हालांकि, एक प्रोफेसर होने के नाते लेह में केंद्रीय विश्वविद्यालय खोलने की पहल का मैं स्वागत करता हूं। आने वाले दिनों में 100 नए सैनिक स्कूल भी खोले जाएंगे और उच्च शिक्षा के लिए आयोग भी बनाया जाएगा। शोध और अनुसंधानों पर भी खासा ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन स्थापित करने का वादा भी किया गया है। यह भारत जैसे देश की जरूरत है, क्योंकि यह मुल्क भाषायी तौर पर काफी विविधता रखता है। इस पहल का भी फायदा आम आदमी को हो सकता है। इसी तरह, विनिर्माण को संरक्षण देने की बात की गई है। इसके भी हमें फायदे मिलेंगे, लेकिन बाजारपरक अर्थव्यवस्था इसे कतई पसंद नहीं करेगी। इससे प्रतिस्पर्द्धा कम हो जाएगी, जिसका दुष्प्रभाव गुणवत्ता पर पड़ सकता है। दिक्कत यह है कि नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) जैसे संस्थानों के हाथ-पांव बांध दिए गए हैं, जिसके कारण हमें वास्तविक आंकड़े नहीं मिल पाते हैं। एक समय था, जब इसे 'तीसरी दुनिया' का सर्वश्रेष्ठ सर्वेक्षण कार्यालय माना जाता था, लेकिन आज इसकी हैसियत वही नहीं है। इस वजह से हम बजट में पेश आंकड़ों को सत्यता की कसौटी पर नहीं कस पाते हैं और बजटीय घोषणाओं पर अविश्वास बढ़ने लगता है। मसलन, खेती-किसानी की ही बात करें, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह तो कहा कि इस साल 43.36 लाख गेहूं उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का फायदा मिला है, जबकि इसके पहले 35.57 लाख किसान इससे लाभान्वित हुए थे।

कुपोषण का गहराता खतरा

सुविज्ञा जैन

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कुपोषण और भुखमरी से जूझ रहे देशों की सरकारों को अपना खाद्य तंत्र ऐसा बनाना पड़ेगा जिससे पोषक तत्व युक्त फल-सब्जी और प्रोटीन से भरपूर खाद्य उत्पाद उगाने के लिए किसान प्रोत्साहित हों। इसके लिए सरकारों की तरफ से इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के सुझाव को जोर देकर कहा गया है।दुनिया के बहुत बड़े हिस्से में भूख या कुपोषण की समस्या को नए सिरे से देखना पड़ रहा है। भले ही कोरोना महामारी इस समस्या को पैदा करने की जिम्मेदार न हो, लेकिन इसने दशकों से चले आ रहे इस संकट को और गंभीर जरूर कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का एक अनुमान है कि कोरोना संकट के एक साल में विश्व में यह संकट लगभग दुगना बड़ा हो गया है। इसलिए अब नया सोच-विचार यह है कि भूख और कुपोषण का यह भयावह संकट अस्थायी है या इसका असर लंबे वक्त तक रहने वाला है? दुनिया के तमाम हिस्सों में कुपोषण को लेकर चिंता तो कोरोना के पहले भी जताई जाती रही थी और इससे निपटने के लिए जो कोशिशें हो रही थीं, उन्हें नाकाफी माना जा रहा था। लेकिन महामारी ने जो आग में घी डाला, उसने साफ-साफ उजागर कर दिया कि विश्व के कुछ क्षेत्रों में आर्थिक प्रतिरोधी क्षमता (इकोनोमिक इम्युनिटी) इतनी भी नहीं थी कि वे देश महामारी को झेल पाते। संयुक्त राष्ट्र की एक दो नहीं, बल्कि चार एंजसियों ने खासतौर पर एशिया प्रशांत क्षेत्र में भूख और कुपोषण की स्थिति का जो आकलन किया है, वह भयावह है। संयुक्त राष्ट्र ने बहुत पहले से अपने सदस्य देशों से अपील की हुई है कि 2030 तक अपने-अपने देशों में भुखमरी को खत्म करने का इंतजाम करें। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र ने सभी देशों से साफ-साफ कह रखा था कि बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषण पर पर्याप्त खर्च करें। इसी वैश्विक अभियान के लिए यह विश्व संस्था समय-समय पर सभी देशों को याद दिलाती रहती है और अपनी तरफ से भी कार्यक्रम चलाती है। लेकिन अब जब भुखमरी के खात्मे का लक्ष्य सिर्फ दस साल दूर रह गया है तो संयुक्त राष्ट्र की चिंता स्वाभाविक है।

एक तो पहले से ही कई देश तय लक्ष्य के मुताबिक काम नहीं कर पा रहे थे, ऊपर से महामारी ने इस लक्ष्य को इतना जबर्दस्त धक्का लगा दिया है कि संयुक्त राष्ट्र को नए सिरे से सोचना पड़ रहा है। वर्ष 2019 की स्थिति के मुताबिक एशिया प्रशांत क्षेत्र में एक सौ नब्बे करोड़ व्यक्ति अपने लिए न्यूनतम पोषक भोजन खरीदने लायक भी पैसा नहीं कमा पा रहे हैं। इधर पिछले साल यानी 2020 में कोरोना महामारी ने कमजोर अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों को माली तौर पर और ज्यादा तहस-नहस कर दिया। ऐसे में आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुनिया के तमाम देशों में भूख और कुपोषण की मौजूदा हालत आज दिन तक कैसी बन चुकी होगी?

भारत के लिए भुखमरी, कुपोषण जैसी समस्याओं का जिक्र पहले भी होता रहा है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) में भारत पिछले साल तक एक सौ सात देशों में चौरानवे वें नंबर पर था। हालांकि ऐसे तुलनात्मक सूचकांक से वास्तविक स्थिति का जरा भी पता नहीं चलता, लेकिन एक अंदाजा जरूर लगता है कि पोषण के मामले में दुनिया में हमारी स्थिति कैसी है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक पर गौर करें तो हम दुनिया के एक सौ सात देशों के बीच सबसे बदहाल पंद्रह देशों में शामिल हैं। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते यह आंकड़ा दुखद ही कहा जाएगा। हालांकि इस तरफ ध्यान देने के लिए समय-समय पर देश में कार्यक्रम भी बनते रहे हैं, लेकिन इस वक्त संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट इस कारण से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है क्योंकि देश का सालाना बजट पेश होने को है। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि आगामी बजट में बच्चों और महिलाओं में कुपोषण पर गौर होता हुआ जरूर दिखेगा।

वैसे दुनिया में कुपोषण की यह समस्या सीधे सीधे नागरिकों की कम आमदनी का ही नतीजा मानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र की इसी रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एक व्यक्ति को एक दिन का न्यूनतम पोषक भोजन लेने के लिए लगभग एक अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 72 रुपए रोजाना चाहिए। यह न्यूनतम पोषक आहार सिर्फ पर्याप्त कैलोरी वाला भोजन है। अगर सभी प्रकार के आवश्यक पोषक तत्वों के लिहाज से देखा जाए तो उस भोजन का खर्चा सवा दो डालर यानी पौने दो सौ रुपए रोज बैठता है।

इस तरह बिल्कुल साफ है कि अगर अपने देश में भुखमरी और कुपोषण की समस्या को समाप्त करने के लिए कोई कदम उठाना हो या योजना बनानी हो तो हमें अपने निम्न आय वाली आबादी के बारे में गहराई से सोचना पड़ेगा। खासतौर पर कोरोनाकाल में जिस तरह से मजदूर और अर्धकुशल कामगारों के रोजगार खत्म हुए हैं, उसके बाद तो यह चुनौती बहुत ही बड़ी हो गई है। यह एक अलग बात है कि अगर गरीबों की आमदनी बढ़ाने का इंतजाम न हो पा रहा हो तो उन तक सीधे ही पोषक तत्त्वों से भरपूर भोजन पहुंचाने के दूसरे इंतजाम करने पड़ेंगे।

बहरहाल, इस बात में कोई शक नहीं है कि दुनिया की तमाम सरकारें इस समय महामारी से तबाह अपनी तमाम व्यवस्थाओं को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में जुटी हैं। कई देश तो महामारी की चरम अवस्था के दौर में ही अपनी अर्थव्यवस्था को लेकर चिंतित हो उठे थे। हम भी उन देशों में शामिल माने जा सकते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा गौर करने की बात यह है कि अर्थव्यवस्था को संभालने के उपक्रम में आपातकालीन जरूरतों पर कितना घ्यान दिया गया। किसी देश में उद्योग-धंधों या दूसरी उत्पाद्र गतिविधियों पर ध्यान देने के साथ ही नागरिकों की न्यूनतम आवश्यकताओं पर ध्यान देना भी उतना ही जरूरी माना जाता है।

इसीलिए एशिया प्रशांत में अगर सबसे बुनियादी जरूरतों में भी पहली आवश्यकता यानी भोजन के संकट पर संयुक्त राष्ट्र गौर करवा रहा है तो इसे गंभीरता से लिया ही जाना चाहिए। और अगर सिर्फ अपने देश की ही बात करें तो सरकार के दावों के आधार पर कहा जा सकता है कि अपनी अर्थव्यवस्था ज्यादा चिंतनीय स्थिति में नहीं है। यानी हमारे लिए अपने देश में भूख या कुपोषण के खात्मे के लिए अलग से कार्यक्रम चलाना कोई मुश्किल काम होना नहीं चाहिए। बस, ध्यान देने की कोई बात हो सकती है तो यही हो सकती है कि हम अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख एजंसी विश्व खाद्य कार्यक्रम ने अनुमान लगाया था कि 2019 के मुकाबले 2020 में तिरासी देशों के लगभग सत्ताईस करोड़ अतिरिक्त व्यक्तियों तक खाद्य सहायता पहुंचाने की जरूरत पड़ेगी। लेकिन अब महामारी की स्थिति पूरे एक साल तक खिंच चुकी है। इतना ही नहीं, वैश्विक स्तर पर कोरोना संक्रमण की रफ्तार अभी बेकाबू है। यानी हालात को उस पूर्व अनुमान से भी ज्यादा गंभीर माना जाना चाहिए। स्थिति की गंभीरता बताने के लिए 2019 की यूनिसेफ की एक रिपोर्ट को भी याद किया जा सकता है, जिसमें बताया गया था कि भारत में हर साल कमोबेश आठ लाख अस्सी हजार बच्चों की मौत हो जाती है और इनमें चौहत्तर फीसद बच्चे सिर्फ कुपोषण के कारण ही मर जाते हैं। इस बात को मानने में किसी को भी कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि कोरोना ने इस स्थिति और बदतर कर डाला है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कुपोषण और भुखमरी से जूझ रहे देशों की सरकारों को अपना खाद्य तंत्र ऐसा बनाना पड़ेगा जिससे पोषक तत्त्व युक्त फल-सब्जी और प्रोटीन से भरपूर खाद्य उत्पाद उगाने के लिए किसान प्रोत्साहित हों। इसके लिए सरकारों की तरफ से इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के सुझाव को जोर देकर कहा गया है। इसीलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि इस बार के बजट में जीवन की मूल आवश्यकताओं में सबसे पहली जरूरत यानी भोजन को सब तक पहुंचाने पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा।

चिंता

बजटः उच्च विकास के लिए भी मार्ग प्रशस्त करता है

डॉ केवी सुब्रमण्यन

स्वास्थ्य देखभाल बजट में 137 प्रतिशत की वृद्धि, बुनियादी ढांचा व्यय में 32 प्रतिशत की वृद्धि, जिसमें राज्यों और स्वायत्त निकायों के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का आवंटन शामिल नहीं है; दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एक बीमा कंपनी का निजीकरण; बैंकों की बैलेंस शीट को व्यवस्थित करने के लिए निजी क्षेत्र में एक बैड बैंक; कर प्रणाली व्यवस्थित करने के साथ करों में कोई वृद्धि नहीं; मध्यम अवधि की राजकोषीय मजबूती के लिए रूपरेखा प्रदान करते हुए आर्थिक रिकवरी को आगे बढ़ाते हुए राजकोषीय खर्च में महत्वपूर्ण वृद्धि, जिसमें संपत्ति के मुद्रीकरण की योजना शामिल है। आत्मनिर्भर भारत पैकेज 1-3 द्वारा पुजारा जैसी बल्लेबाजी के बाद, जिसने यह सुनिश्चित किया कि महामारी के दौरान भारत को कम से कम नुकसान हो तथा आर्थिक प्रगति वी-आकार की हो, वित्त मंत्री ने सोमवार को रिषभ पंत की भूमिका निभाई और उन्होंने एक ऐसा बजट पेश किया, जिसे इतिहास याद रखेगा। एक अर्थव्यवस्था में, इनपुट के घटक के रूप में नरम और कठोर बुनियादी ढांचा तथा श्रम और पूंजी शामिल होते हैं। परंपरागत रूप से, श्रम और पूंजी को प्रमुख इनपुट माना जाता है। चूंकि नरम और कठोर बुनियादी ढांचा, श्रम और पूंजी की उत्पादकता को बढ़ाते हैं, इसलिए बजट के विश्लेषण में, हम इन्हें इनपुट भी मान सकते हैं। नरम बुनियादी ढांचा मानव विकास से सम्बंधित है, जबकि कठोर बुनियादी ढांचे में भौतिक संपत्ति शामिल होती है। महामारी ने स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है, इसलिए यह नरम बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण तत्व बन गया है। इसी तरह, कठोर बुनियादी ढांचा निजी निवेश को सक्षम बनाता है और निवेश, विकास और उपभोग के चक्र को तेज करता है। इस वर्ष के बजट को ऐतिहासिक माना जाएगा, क्योंकि यह, इनपुट के इन सभी घटकों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

एनआईपीएफपी अध्ययन से पता चलता है कि भारत में भौतिक बुनियादी ढांचे में निवेश का वित्तीय गुणक बहुत अधिक रहा है झ यह निवेश किये जाने वाले वर्ष में 2.5 और अगले कुछ वर्षों के लिए 4.5 रहता है। इसलिए, यदि हम सिर्फ राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन के कार्यान्वयन के लिए आवंटित 5.54 लाख करोड़ रुपये के प्रभाव पर विचार करते हैं, तो यह जीडीपी का 2.5 प्रतिशत है। 2.5 के गुणक को लेने पर यह, 2.5 प्रतिशत 2.5 = 6.25 प्रतिशत होता है। इस प्रकार, बुनियादी ढांचे पर खर्च से सकल घरेलू उत्पाद में 6.25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, अक्टूबर के महीने के बाद से सरकार के पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप इसके लिए संशोधित अनुमान वित्त वर्ष 20 के बजट में निर्धारित 4.2 लाख करोड़ रुपये की बजाय 4.39 लाख करोड़ रुपये होगा। लॉकडाउन के दौरान पूंजीगत व्यय में अत्यधिक कमी के बावजूद बजट अनुमान की तुलना में यह 4.5 प्रतिशत की वृद्धि स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ने की उम्मीद है।

सड़कों और रेलवे के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय आवंटन खासतौर पर देश में लोजिस्टिक्स संबंधी बेहतर बुनियादी ढांचे के निर्माण को संभव बनायेंगे और इस क्रम में भारतीय कंपनियों के व्यापार करने की लागत को कम करेंगे। ये आवंटन श्रम सुधार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के क्षेत्र में एक निश्चित बदलाव और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं समेत आत्मनिर्भर भारत 1-3 में शुरू किये गये कई सुधारों को आगे ले जायेंगे और देश में विनिर्माण क्षेत्र को सक्षम और उन्नत बनायेंगे। सार्वजनिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के लिए वित्तपोषण निगम का प्रावधान करने वाले इस विधेयक का उद्देश्य निजी क्षेत्र में भी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण से जुड़े संस्थानों की स्थापना को संभव बनाना है, जो सार्वजनिक व्यय के मामले में वित्तपोषण संबंधी और नये विकल्प जोड़ेगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये जानेवाले खर्च में भारी बढ़ोतरी का असर निश्चित रूप से समय के साथ सामने आयेगा। लेकिन, इस वर्ष स्वास्थ्य देखभाल में आवश्यक धनराशि प्रदान करने के साथ टीकाकरण के लिए 35000 करोड़ रुपये का प्रावधान भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी एक टीके के रूप में कार्य करेगा। इसका प्रभाव मानव-संपर्क की दृष्टि से संवेदनशील माने जाने वाले सेवा क्षेत्रों में महसूस किया जाएगा, जहां मांग की पूरी तेजी से वापस लौटने की उम्मीद है। इसलिए, टीकाकरण पर होने वाले खर्च का असर इसी साल देखने को मिलेगा। स्वास्थ्य सेवा में प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक स्तर तक की देखभाल की संपूर्ण श्रृंखला पर केंद्रित आत्मनिर्भर भारत स्वास्थ्य योजना के जरिए व्यय को सुव्यवस्थित रूप दिए जाने तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में किये गये खर्च से उत्पादक प्रभाव को बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च में हुई उल्लेखनीय वृद्धि, स्वास्थ्य क्षेत्र को दिए गए महत्त्व को इंगित करता है और यह कदम मध्यम से लेकर दीर्घावधि तक आम आदमी को लाभान्वित करेगा। मानव विकास के मामले में संभावित सुधार श्रम की उच्च उत्पादकता के रूप में प्रकट होगी और इस तरह समग्र उत्पादकता में सुधार होगा। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बदलाव के संकेत के अलावा, इस वर्ष का बजट भारत के वित्तीय क्षेत्र में परिवर्तन की शुरूआत कर सकता है। इस संबंध में तीन प्रमुख पहल हुई हैं। पहला कदम एक बैड बैंक की स्थापना है, जिसका क्रियान्वयन कमजोर या मुसीबत से गुजरने वाली परिसंपत्तियों में मूल्य सृजन की दृष्टि से जरुरी निर्णय लेने की प्रक्रिया को निजी क्षेत्र के ढांचे के जरिए सक्षम बनाया जायेगा। दूसरा कदम, आवश्यक विधायी परिवर्तन के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों और एक बीमा कंपनी को सक्षम बनाने के उद्देश्य से उनका प्रस्तावित निजीकरण है। और आखिरी कदम, आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को 49% से बढ़ाकर 75% तक करना है।

कुल मिलाकर, इस दशक के पहले बजट ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण रोडमैप प्रदान किया है, जो न केवल कोविड झ पूर्व काल के विकास पथ पर वापस लौटेगा, बल्कि इस दशक में विकास को गति प्रदान करेगा। वित्तमंत्री महोदया, अपने वादे के मुताबिक ... आपने एक ऐतिहासिक और यादगार बजट दिया है !

(लेखक मुख्य आर्थिक सलाहकार है)

युवाओं में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति

किसी भी समाज व राष्ट्र के निर्माण हेतु युवा वर्ग अंत्यंत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । युवा वर्ग यदि सही दिशा की ओर कार्यरत है तो वह संपूर्ण राष्ट्र को उन्नति के पथ पर ले जाने को आश्वस्त करता है और यदि नही तो वह विध्वंस की स्थिति उत्पन्न करता है। आज का युवा वर्ग आखिर किस दिशा में जा रहा है ?आज युवा वर्ग पर पश्चिमी सभ्यता का नशा इस कदर हावी हो चला है कि उनके लिए अपनी सभ्यता,संस्कृति और मान्यताओं की कोई अहमियत रह ही नही गई है ।यह भटकाव हमारे युवाओं,समाज और राष्ट्र के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। इससे नशा,अलगाव,एकाकी पन जैसे दुष्परिणाम नजार आने लगें हैं ।हमारे युवा आधुनिकता के पीछे इतने दीवानें हैं कि अच्छे और बुरे में भेद कर पाना उनके लिए मुश्किल प्रतीत होता है ।अपनी इच्छाओं ,अकाक्षाओं को पूर्ण करने के लिए अपराध करने से भी पीछे नही हटते। फिर चाहे वह अपराध किसी भी रूप में किया गया हो । इस का सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी,आधुनिकरण,अश्लील साहित्य या अश्लील व फूहड़सिनेमा का परोसा जाना है कहते हैं जैसा आप देखते व सोचते हैं,आप वैसे ही बनते हैं।स्वयं का आंकलन दूसरों से करना या इच्छाओं का पूर्ण न होना आपराधिक प्रवृत्ति को जन्म देती है। इस भटकाव की स्थिति से बचने के लिए आत्मविश्वास,आत्मबल का संचार होना अंत्यंत आवश्यक है।अपने आत्मसम्मान के भाव को जाग्रत करना होगा ।इसके लिए शिक्षित होना और एक लक्ष्य को निर्धारित करना बहुत ही अहम है।लक्ष्य के अभाव में समाज व राष्ट्र दोनों की उन्नति की गति धीमी पड़ जायेगी ।अंत जीवन में किसी भी सही लक्ष्य को धारण कर आगे बढ़े ।

रश्मि वत्स
मेरठ(उत्तर प्रदेश)

'भूतकाल को बिना पछतावा किए भूल जाओ, वर्तमान आत्मविश्वास के साथ जीओ, भविष्य का बिना डरे स्वागत करो और ज़िंदगी को आसान कर लो'

पर क्या हम वर्तमान को पूरा न्याय देते है ? जो लम्हें फ़िलहाल हांसिल है उसे पूरी शिद्दत और खुशी-खुशी जीते है हम कितनी भी कोशिश कर लें वर्तमान में जीने की, पर अतीत के मुट्ठी भर सितारे एहसासों के मन के एक कोने में कैद होते है, वक्त रेत की तरह सरक जाता है और अतीत हमारे अंदर सिमटा रहता है। कुछ एक साँस के बाद कुछ न कुछ पुराने पन्नों पर दिल की नज़र ठहर ही जाती है चाहे सुखद यादें हो या मन को आहत करने वाले गुज़रे लम्हें मन में इत-उत बिखरे पड़े होते है। किसी को जानने के लिए कुछ ही मिनट लगते है, किसीको पसंद करने के लिए कुछ एक घंटे, किसीसे प्यार भी हम कुछ एक दिन में कर लेते है पर पर किसीको भूलने के लिए पूरी ज़िंदगी लग जाती है। आख़री साँस तक हम अतीत में ही जीते है पर कुछ स्मृतियाँ भूल नहीं पाते। कितनी कहानियाँ ओर किस्से बनते है, आते है, जाते है लोग हमारी ज़िंदगी में कुछ दोस्त, कुछ दुश्मन, कोई प्यारा, कोई अनमना कुछ वक्त रुक कर कूच कर जाते है सब। पर हमारे दिल की संदूक में रह जाती है वो सब निशानियां, हम फुर्सत के पलों में मन की संदूक खोलकर उसे वापस जीते है, कुछ इंद्रधनुषी जैसे रंगीन पल हमें हंसाते है तो कुछ अतीत के लम्हें आँखों को नम मी कर जाते है। उन भिन्न भिन्न लम्हों की प्रजाति से जुड़े होते है हमारे एहसास उसे हम बदल नहीं सकते बस सहला कर झाड़ देते है, फिर हम भी आगे बढ़ जाते है पर उस अतीत को वापस संदूक में संजोकर रख भी लेते है। ये बिलकुल वही अनुभूति है जो हम अपनी लिखी कविताएँ सालों बाद पढ़ने पर महसूस करते है। कुछ बेहद पसंद आती है, तो कुछ को पढ़ कर लगता है ये बेवजह लिख दी पर फिर भी है तो अपनी ही। वैसे ही अतीत खुशगवार हो या मन को आहत करने वाला हम पूरी ज़िंदगी अतीत में जीते बिताते है। या तो आने वाले भविष्य में जो हमारे हाथ में नहीं उसकी कल्पना में कितने खयाली घोड़े दौड़ा कर सरमाया जोड़ लेते है ख़्वाहिशों का, और जिसको पूरा करने या पाने के लिए वर्तमान को थका देते है, निर्वाण को पूरा करने वर्तमान से सौदा करते है सुकून का। कुछ लोगों को कहते सुनते है की भूतकाल को भूल जाओ वर्तमान में जिओ पर क्या कोई अपने मन को अतीत की परिधि से और आने वाले भविष्य की कल्पनाओं से बाहर निकाल पाता है ? नहीं हर इंसान वर्तमान में कम जीता है भूतकाल की जड़ों को कुरेदकर ताजा रखता है ओर भविष्य जो मालूम नहीं उसकी फ़िक्र में वर्तमान को खराब करता है तो कुल मिलाकर आगे पीछे की आपाधापी में हम हांसिल का मजा किरकिरा करते है।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु) ़भावु

चलो प्रिय उस गगन के पार..

जहां ना हो झूठी मुस्कान
ह्रदय का हो सच्चा श्रृंगार

रिश्तों की फिर नजर उतार
दिल की दुनिया में करे आराम
चलो.........
वहां मैं भूल जाऊं ग़म अपने
साकार करू मन के सपने
जहां कह सकू सारे एहसास
बयां करू दिल के जज्बात
चलो...
जहां हकीकत और ख्वाब
मिलते हो दोनों एक साथ
दुआ जब कभी मांगे तो
जुड़े दोनों हथेलियां साथ
देने जीवन को नया अर्थ
चले कही मिलकर संसर्ग
जहां छुपाया है दिल में मैंने
ढूंढ सको खुद को तुम वहाँ
चलो....
अपनी चाहत की गहराई में
महका सको तुम अक्स मेरा
अपनी ही परछाई में खोए
जो आकर पास देखो तो ज़रा
चलो...
जहां ख्वाहिशों की बदली में
बरस जायूँ बूंदों की तरह
मिट्टी में बिखरु मै ऐसे
गुल में खुशबू की तरह
चलो..

प्रियंका द्विवेदी
मंझनपुर कौशाम्बी
स्वरचित

कोरोना संघर्ष में पिछड़ा केरल

पिछले वर्ष 26 जनवरी को 20 वर्षीय मेडिकल छात्रा, घातक वायरस के 'ग्राउंड जीरो' वुहान से लौटी थी। वह पहली नागरिक थी, जिसे भारत में कोरोना संक्रमित पाया गया। उसे आम आबादी से अलग कर दिया गया और केरल के त्रिशूर में एक संक्रमण वार्ड में रखा गया। कई पर्यवेक्षकों ने राहत की सांस ली, क्योंकि केरल 2018 में ही ऐसे घातक वायरस से निपटने के लिए अच्छी तरह सुसज्जित हो गया था। केरल को 2018 में कोरोना से भी अधिक संक्रामक निपाह वायरस से निपटने का अनुभव हासिल था। भारत में उस मेडिकल छात्रा और उसके दो सहयोगियों को सघन निगरानी में रखा गया था। एक कमांड सेंटर स्थापित किया गया और हवाई अड्डों को भी सतर्क कर दिया गया। केरल ने ही राजस्थान को यह सूचना दी कि एक चीनी यात्री और उसके दो सहयोगी राजस्थान रवाना हुए हैं। खैर, फरवरी के तीसरे सप्ताह में केरल के तीन विद्यार्थी मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। केरल ने कोरोना वायरस को राज्य आपदा घोषित कर दिया था, पर जीत का संकेत देते हुए उसने अपनी वह घोषणा वापस ले ली थी। आज केरल सबका ध्यान खींच रहा है। आज जब शेष भारत वायरस के प्रसार को धीमा होते देख रहा है, तब भी केरल इस बीमारी से लड़ रहा है। विडंबना है कि वायरस के खिलाफ सबसे पहले युद्ध शुरू करने वाला राज्य आज रोज कोरोना मामलों में वृद्धि दर्ज कर रहा है। आज यह शीर्ष पांच सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक है। जनवरी 2021 के अंत तक केरल में रिपोर्ट किए गए कोरोना मामलों की कुल संख्या 9,17,630 थी। इनमें से 8,41,444 लोग ठीक हो चुके हैं और 3,704 की जान गई है। 29 जनवरी को राज्य ने 6,268 नए मामले दर्ज किए हैं और 2 फरवरी को 5,716 मामले। जब देश के बाकी राज्यों में एक हजार से भी कम मामले सामने आ रहे हैं, तब केरल में रोज 5000 से ज्यादा मरीज सामने आ रहे हैं। देश के 20 सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से करीब एक दर्जन केरल में ही हैं। सवाल उठता है, आखिर केरल को क्या हो गया? जिसे एक समय नेतृत्व करने वाला राज्य माना जाता था, जहां बीमारियों का प्रबंधन भी उल्लेखनीय रहा, वहां कोरोना के नए मामले देश के अन्य राज्यों की तुलना में पांच गुना ज्यादा क्यों हैं? यह बताया गया है कि राज्य के अस्पतालों में 3,050 आईसीयू बेड हैं, जिनमें से अधिकांश भरे हुए हैं। कोविड-19 मामलों में एर्नाकुलम और कोझीकोड शीर्ष पर हैं।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नए अवतार में नजर आएंगी ईशा तलवार

बॉलीवुड तड़का टीम. मिर्जापुर में नजर आई एक्ट्रेस नर्तकी ईशा तलवार पार्श्व गायिका शिल्पा राव और द येलो डायरी के नए म्यूज़िक कॉलोबरेशन रोज रोज में नजर आएंगी।

ईशा तलवार और डांसर-अभिनेता अर्जुन मेनन द्वारा अभिनीत, रोज रोज यह गाना आधुनिक स्तर की प्रेम कहानी की परतों और चुनौतियों को दशार्ता है, और इसे बैले के एलिमेंट्स के साथ नृत्य के माध्यम से व्यक्त किया गया है। वेलेंटाइन डे के करीब रिलीज होनेवाला यह गीत हेल्थी रिलेशनशीप में संवाद के महत्व के बारे में सार्थक वातार्लाप बनाने का इरादा रखता है। म्यूजिक वीडियो के लॉन्च के बारे में ईशा कहती हैं कि, द येलो डायरी और शिल्पा राव एक अच्छी ताल मेल साँझा करते हैं। मुझे सुंदर, संवेदनशील कलाकारों के साथ एक रोज रोज की तरह कोलेबोरेशन पसंद है जो किसी की नकल नहीं बल्कि वास्तविक गाने बनाना चाहते हैं। यह पहली बार है जब मैं एक म्यूजिक वीडियो में नृत्य करते हुए नजर आउंगी। यह शूट चुनौतीपूर्ण था लेकिन मजेदार था, और मुझे खुशी है कि हम इसे जल्द ही सभी के साथ साझा करेंगे।

येलो डायरी के बारे में

भारत के सबसे लोकप्रिय ऑल-रॉक बैंड, द येलो डायरी एक पाँच सदस्यों का ग्रुप है जो अपने अद्वितीय, आधुनिक ध्वनि और आत्मीय गीतों के लिए जाना जाता है। बैंड में राजन बत्रा (लीड वोकल्स, लिरिक्स), हिमांशु पारिख (कीज, प्रोडक्शन), स्टुअर्ट डकोस्टा (बास), वैभव पाणि (गिटार) और साहिल शाह (ड्रम) शामिल हैं। ग्रैमी नॉमिनी (2021) और प्रसिद्ध बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर शिल्पा राव की रूहानी आवाज दर्शकों पर एक स्थायी छाप छोड़ती है। उनकी कुछ सबसे यादगार हिट्स में फिल्म लुटेरा से मनमर्जियां , ऐ दिल है मुश्किल से आज जाने की ज़िद ना करो और वार से घुंघरू कलंक, बुल्लेया, खुदा जाने, तोसे नैना, मलंग, मेहरबान जैसे कई शामिल हैं।

तापसी ने फिल्म लूप लपेटा से शेयर किया अपना फर्स्ट लुक, कहा-

लाइफ में कभी कभार ऐसा टाइम आता है जब हमें...

एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने अपनी अपकमिंग फिल्म रश्मि रॉकेश की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्ट्रेस ने अब अपने नए प्रोजेक्ट लूप लपेटा पर काम शुरू कर दिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्म से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है। जो खुब पसंद किया जा रहा है। तस्वीर में एक्ट्रेस ग्री टी-शर्ट और ब्लैक शॉट्र्स में नजर आ रही है। साथ में एक्ट्रेस ने शूज पहने हुए हैं। मिनिमल मेकअप और हाई बन से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। एक्ट्रेस टायलेट के कमोड में बैठी हुई और हाथ में कागज पकड़े हुए दिखाई दे रही है। तस्वीर शेयर करते हुए तापसी ने लिखा- लाइफ में कभी कभार ऐसा टाइम आता है जब हमें खुद से यह सवाल करना पड़ता है यहां कैसे खत्म करूं मैं भी यही सोच रही थी। नहीं, पॉट नहीं बल्कि जिंदगी! हाय, यह रं१ है। फैंस इस तस्वीर पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। बता दें फिल्म लूप लपेटा 1998 की जर्मन फिल्म रन लोला रन का रीमेक है। फिल्म में ताहिर राज भसीन समेत कई स्टार्स अहम रोल में दिखाई देंगे। आकाश भाटिया इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। इसके अलावा तापसी रश्मि रॉकिट, क्रिकेट मिताली राज की बायॉपिक शाबाश मितु और हसीन दिलरुबा में भी नजर आएंगी।

मलेरिया के चलते कृति खरबंदा का घट गया था छह किलो वजन

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा के लिए साल 2020 काफी मुश्किलों भरा रहा। उन्हें पिछले साल मलेरिया हो गया था। डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी, लेकिन उस वक्त उन्होंने अपनी फिल्म 14 फेरे लिए शूट करने का फैसला किया। अब कृति ने उन दिनों को याद किया है जब मलेरिया से जूझते हुए शूट कर रही थीं।

ईटाइम्स के अनुसार कृति खरबंदा ने कहा, मुझे नवंबर में मलेरिया हो गया था और मुझे तीन हफ्ते तक बेड रेस्ट के लिए कहा गया। हालांकि, मैं खुद की वजह से 14 फेरे के शेड्यूल को प्रभावित नहीं होने देना चाहती थी तो मैंने शेड्यूल के हिसाब से शूट करने के लिए आग्रह किया। उस वक्त मुझे मलेरिया हुए सिर्फ 10 दिन ही हुए थे और हमने शूट शुरू कर दिया। हम लखनऊ में थे और दिन में लगभग 18 घंटे शूटिंग चलती थी। कृति ने आगे बताया कि उन्हें दुल्हन के रोल के लिए तैयार होने में तीन घंटे लगते थे। उन्होंने कहा, मेरा 6 किलो वजन कम होया और मेरी बॉडी और स्किन पर तनाव साफ दिख रहा था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि मैंने समय पर शूटिंग शेड्यूल खत्म लिया और यह सब मैं पूरी टीम के सपोर्ट के बिना बिल्कुल भी नहीं कर पाती।

एक्ट्रेस ने बताया कि उस दौरान को-स्टार विक्रांत मैसी ने उन्हें बहुत सपोर्ट किया, जिनके साथ वह पहली बार काम कर रही हैं। कृति ने कहा कि अगर आप और आपके को-स्टार के बीच कई सारी चीजें कॉमन हो तो इससे तालमेल बैठाने में बहुत मदद मिलती है और काम भी आसान हो जाता है। विक्रांत शानदार एक्टर ही नहीं बल्कि एक बेहतरीन को-स्टार हैं। बताते चलें कि कृति पहली बार स्क्रीन पर दुल्हन का रोल प्ले नहीं कर रही हैं इससे पहले भी वह शादी में जरूर आना (2017) और वीरे की वेडिंग (2018) जैसी फिल्मों में दुल्हन भी भूमिका में नजर आ चुकी हैं।

विंटर स्टाइल को फ्लॉन्ट करती दिखीं सारा अली

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर विंटर स्टाइल को फ्लॉन्ट किया। सारा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं, जहां वह एक लॉन्ग हूडी पहने नजर आ रही हैं, वहीं नीचे उन्होंने लॉन्ग मोजे पहने हैं। शेयर तस्वीरें को उन्होंने कैप्शन में लिखा, स्वेटर डेज एंड विंटर हेज सरसो का साग और गोल्डन रेज। अभिनेत्री हाल ही में मालदीव में छुट्टी मनाकर लौटी हैं। वह भाई इब्राहिम अली खान और मां अमृता सिंह के साथ छुट्टियां मनाने गई थीं। सारा को हाल ही में अभिनेता वरुण धवन के साथ ओटीटी-रिलीज की गई फिल्म कुली नंबर 1 में देखा गया था, और उन्होंने अपनी अगली फिल्म अतरंगी रे की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, धनुष और निमरत कौर भी हैं। इसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया है।

तमिल बोलना सीख रहे हैं ईशान खट्टर

बॉलीवुड अभिनेता ईशान खट्टर आगामी हॉरर कॉमेडी फोन भूत में अपनी भूमिका के लिए तमिल बोलना सीख रहे हैं। ईशान ने कहा मैं डिक्शन सबक ले रहा हूं और नई भाषा (तमिल) सीखना मेरे लिए वास्तव में रोमांचक है। ईशान ने कहा मैं इस प्रक्रिया का आनंद ले रहा हूं और इसे अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देना चाहता हूं। ईशान अभिनेता गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म में कैटरीना कैफ और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ सह-कलाकार हैं। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा निर्मित फिल्म फोन भूत को रवि शंकरन और जसविंदर सिंह बाथ ने लिखा है। अगले महीनों में, ईशान के पास राजा कृष्ण मेनन की युद्ध फिल्म पिप्पा भी है। फोन भूत के रैप करने के बाद वह जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

ओटीटी प्लेटफॉर्म बहुत सारे कलाकारों और अभिनेताओं को बढ़ावा दे रहे : प्रणीता पंडित

अभिनेत्री प्रणीता पंडित को लगता है कि ओटीटी प्लेटफार्मो के उदय ने कलाकारों और अभिनेताओं के लिए लोकप्रिय समर्थन उत्पन्न किया है। उनका मानना है कि यह एक कारण है जो स्टारडम दूर हो गया है। उन्होंने बताया, ओटीटी प्लेटफॉर्म बहुत सारे कलाकारों और अभिनेताओं को बढ़ावा दे रहे हैं। यह सच है कि इसकी वजह से, स्टारडम दूर हो गया है और लोग रातोंरात स्टार नहीं बन रहे हैं। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल ठीक है, क्योंकि मेरे लिए अभिनय सिर्फ एक पेशा है। जैसा कि किसी अन्य लोगों का होता है। यह सिर्फ इतना है कि हमें थोड़ी प्रसिद्धि मिलती है और लोग हमें जानते हैं, और हमें अपने काम के कारण लोकप्रियता मिलती है। प्रणीता को कसौटी जिंदगी की और कहानी घर घर की जैसे शो में देखा गया। उनका कहना है किसी को भी स्टार की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए।

अभिनेत्री नोरा फतेही ने छोड़ देंगे का पहला लुक पेश किया

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही म्यूजिक वीडियो ट्रैक पर वापस आ गई हैं। उन्होंने आगामी सिंगल छोड़ देंगे का पहला लुक पेश किया। गाना दिल टूटने और बदला लेने पर सेट किया गया है और इसका थीम रेड है। नोरा, जो हाल ही में बॉलीवुड के चुने हुए डासिंग स्टार के रूप में उभरी हैं, विशेष रूप से फिल्मों के साथ-साथ म्यूजिक वीडियो में भी डांस करती हैं, स्पोर्ट्स मल्टीपल लुक में ग्लैमरस से लेकर ईथर-परम्परा के वीडियो तक हर जगह उन्होंने अपना छाप छोड़ी है। शेमस और परम्परा के गायक-संगीतकार की जोड़ी ने पिछले साल अपने गीत बेखयाली में शाहिद कपूर के साथ कबीर सिंह को हिट किया। बाद में इस जोड़ी ने पिछले साल नवंबर में शादी कर ली है। उनका नया गीत छोड़ देंगे की पूरी शूटिंग राजस्थान में किया गया है और संगीत वीडियो अरविंद खैरा द्वारा निर्देशित है।

आयुष्मान खुराना के हाथ लगा नया प्रोजेक्ट अनुभव सिन्हा की अगली फिल्म में आएंगे नजर

अनुभव सिन्हा के अगले प्रोजेक्ट को लेकर कई अटकलबाजी लगाई जा रही थी जिसे एक राजनीतिक ड्रामा, एक्शन थ्रिलर और अन्य शैली का माना जा रहा था लेकिन अब, सफल निर्देशक-निमार्ता ने हाल ही में अपने आगामी प्रोजेक्ट अनेक की घोषणा कर दी है जिसमें आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित 2019 क्राइम ड्रामा आर्टिकल 15 की सफलता के बाद, निर्देशक-अभिनेता का हिट कॉम्बो - अनुभव और आयुष्मान ने अपनी दूसरी फिल्म, अनेक के लिए फिर से एक बार फिर सहयोग किया है। हालांकि फिल्म से जुड़ी अधिक जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन अनुभव और आयुष्मान दोनों ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर साझा की है, जिसने उनके प्रशंसकों को अधिक

उत्साहित कर दिया है। फिल्म की शूटिंग हाल ही में शुरू की गई है और निमार्ताओं ने देश के उत्तर पूर्व क्षेत्र में एक व्यापक शूटिंग शेड्यूल की योजना बनाई है। निर्देशक-अभिनेता के द्वारा दूसरी बार सहयोग करने के अलावा, आयुष्मान के जोशुआ लुक से निश्चित रूप से उनके प्रशंसकों के बीच भारी प्रत्याशा और उम्मीद बढ़ गई है क्योंकि उन्हें इससे पहले स्क्रीन पर इस अवतार में नहीं देखा गया है। सूत्र बताते हैं कि अनेक अनुभव की अब तक की सबसे महंगी और बड़े पैमाने पर बन रही फिल्म है। निर्देशक को बैक-टू-बैक समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक हिट्स जैसे कि मुल्क, आर्टिकल 15 और थप्पड़ के अपने ट्रैक रिकॉर्ड के लिए जाना जाता है। अनेक अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित है और बनारस मीडिया वर्क्स व टी-सीरीज के तहत भूषण कुमार और अनुभव सिन्हा द्वारा निर्मित है।

प्रियंका ने अपने डॉगी को पहनाई मैचिंग ड्रेस, बोलीं व्हाइट टाइगर अपने बच्चे के साथ

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने फिर अपनी एक लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। ये तस्वीर काफी मजेदार है और इसके साथ उन्होंने कैप्शन भी काफी मजेदार दिया है। इस तस्वीर में प्रियंका अपने डॉगी डियाना के साथ नजर आ रही है। इस तस्वीर में जो सबसे मजेदार बात है वो दोनों ने एक जैसे कपड़े पहन रखे हैं। इस तस्वीर मे प्रियंका ने टाइगर प्रिंट ड्रेस पहन रखी है और अपने डॉगी को भी उन्होंने ठीक वैसे ही कपड़े पहनाए हुए हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा है, वाइट टाइगर और उसका बच्चा। काम की बात करें तो प्रियंका इन दिनों लंदन में अपनी अपकमिंग हॉलिवुड फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द वाइट टाइगर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के राजकुमार राव के साथ नजर आई हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने कैटरीना कैफ को वर्कआउट के लिए किया इन्वाइट

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुवेर्दी इन दिनों उदयपुर में अपनी नई फिल्म भूत पुलिस की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह को-स्टार ईशान खट्टर के साथ वर्कआउट करते नजर आ रहे हैं। सिद्धांत ने इस वीडियो को शेयर करते कैटरीना को भी वर्कआउट सेशन जॉइन करने के लिए इन्वाइट किया। ऐसे में यूजर्स ने सिद्धांत के मजे लेने लगे। सिद्धांत के इस पोस्ट पर कैटरीना ने रिप्लाई करते लिखा, शानदार, तुम लोगों ने आज मुझसे ज्यादा शूटिंग की है। वहीं, दूसरे कमेंट में उन्होंने कहा कि ईशान खट्टर क्रिएटिव जीनियस हैं। वहीं, फैन्स सलमान खान का नाम लेकर सिद्धांत के मजे लेने लगे। एक फैन ने लिखा, सलमान खान आपकी लोकेशन चाहते हैं। दूसरे फैन ने कमेंट किया, आप लोग की जोड़ी कमाल की है। आपको स्क्रीन पर साथ देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। एक और फैन ने लिखा, मुझे लगता है कि हमारे पास नई दोस्ताना जोड़ी है। बता दें कि सिद्धांत, ईशान और कैटरीना पहली बार साथ काम कर रहे हैं। तीनों ने फिल्म भूत पुलिस की शूटिंग शूरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं। यह एक हॉरर-कॉमिडी फिल्म है जो पिछले साल दिसंबर पर फ्लोर पर आई थी। यह फिल्म इस साल रिलीज होगी। इसके अलावा कैटरीना की फिल्म सूर्यवंशी रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ लीड रोल में हैं। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन और रणवीर सिंह भी स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे। पहले यह फिल्म साल 2020 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना के चलते टल गई।

न्यायालय के आदेश से अभद्रता के साथ मारपीट करने के छह मामले दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) न्यायालय के आदेश 155 (2) के अनुसार विभिन्न स्थानों से छह मामले कोतवाली में अभद्रता व मारपीट के धारा 323, 504 के तहत पंजीकृत किये गये।

मामला -1

डालचन्द्र पुत्र देवी दयाल निवासी रेलवे स्टेशन के पास ने बताया कि वीरेन्द्र पुत्र बुढिया बाबा, मोहन सिंह, राहुल, श्रीमती सुनीता निवासी रेलवे स्टेशन के पास मऊरानीपुर के द्वारा उसके साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

मामला -2

शमशुद्दीन पुत्र सकूर खाँ निवासी झण्डापुरा, रानीपुर ने बताया कि रसीद पुत्र अब्दुल, हसीन पुत्र रसीद, नहीम पुत्र रसीद निवासी मुहल्ला झण्डापुरा रानीपुर के द्वारा उसके साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

मामला -3

शिम्भूदयाल पुत्र हुरमत निवासी ग्राम खकौरा ने बताया कि बुद्दा पुत्र दुर्जन, रामचरन पुत्र बुद्दा, गोबिन्ददास पुत्र बुद्दा, जगदेव पुत्र बुद्दा निवासी खकौरा के द्वारा उसके साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

मामला -4

श्रीमती भारती पत्नी नरेश निवासी ग्राम पंचमपुरा ने बताया कि शोभाराम पुत्र मोललाल, श्रीमती प्रभा पत्नी शोभाराम निवासी ग्राम पंचमपुरा के द्वारा उसके साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

मामला -5

राजेन्द्र चतुर्वेदी पुत्र नन्नाई चतुर्वेदी निवासी ग्राम कैलुआ ने बताया कि कल्लू श्रीवास उर्फ दीपक श्रीवास पुत्र वीरेन्द्र श्रीवास, रवि श्रीवास पुत्र वीरेन्द्र श्रीवास, वीरेन्द्र श्रीवास पुत्र अच्छे लाल निवासी कैलुआ के द्वारा उसके साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

मामला -6

सुक्के कुशवाहा पुत्र प्यारे लाल कुशवाहा निवासी मुहल्ला संकट मोचन रानीपुर ने बताया कि बृजलाल पुत्र काशीराम, बालचन्द्र पुत्र काशीराम, मोहन पुत्र बृजलाल निवासी मुहल्ला संकट मोचन रानीपुर के द्वारा उसके साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

अंतर्राष्ट्रीय वेटलैण्ड दिवस

वेटलैंड जल को प्रदुषण से मुक्त बनाती है: एम.आई. खान

ललितपुर। अंतर्राष्ट्रीय वेटलैण्ड दिवस पर वन विभाग मड़ावरा द्वारा रोहणी बांध नर्सरी मड़ावरा में वन क्षेत्राधिकारी मोहम्मद इफ्तिखार खान की अध्यक्षता में वर्ड फैस्टिवल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी मोहम्मद इफ्तिखार खान ने कहा कि पूरी दुनिया में विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है। खास बात तो ये है कि 'वर्ल्ड वेटलैंड डे' का आयोजन लोगों और हमारे ग्रह के लिये वेटलैंड की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि वेटलैंड का मतलब होता है नमी या दलदली क्षेत्र अथवा पानी से संतृप्त भूभाग से है। अर्थात नमी या दलदली भूमि क्षेत्र को वेटलैंड्स कहते है। बहुत सी जगह पर सालभर जमीन पानी से भरा रहता है। वेटलैंड की मिट्टी झील, नदी व तालाब के किनारे का हिस्सा होता है। आर्द्रभूमि वह क्षेत्र है जो सालभर आंशिक रूप से या पूर्णतः जल से भरा रहता है। वेटलैंड के बहुत से लाभ है। भारत में वेटलैंड ठंडे और शुष्क इलाकों से लेकर मध्य भारत के कटिबंधीय मानसूनी इलाकों और दक्षिण के नमी वाले इलाकों तक फैली हुई है। आपको बता दे की वेटलैंड जल को प्रदुषण से मुक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि नदियों, झीलों, तालाबों आदि की खराब होती स्थिति को देखते हुए साल 1971 में 2 फरवरी को ईरान के रमसर में वेटलैंड कन्वेंशन को अपनाया गया और आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर किए। तब से हर साल सरकारी एजेंसियों, गैर-सरकारी संगठनों और समुदाय के सभी स्तरों पर नागरिकों

के समूहों ने वेटलैंड मूल्यों की सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और संरक्षण जैसे लाभों के उद्देश्य से कार्रवाई करने के अवसर का लाभ उठाया है। जैविक रूप से विविध पारिस्थितिक तंत्र जो कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करना, तूफान और बाढ़ के खिलाफ तट पर बफ़र्स के रूप में सेवा करना और हानिकारक प्रदूषकों को बदलकर स्वाभाविक रूप से पानी को फ़िल्टर अर्थात जल को प्रदुषण से मुक्त करना है। वेटलैंड्स जंतु ही नहीं बल्कि पादपों की दृष्टि से भी एक समृद्ध तंत्र है, जहां उपयोगी वनस्पतियां एवं औषधीय पौधे भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। ये उपयोगी वनस्पतियों एवं औषधीय पौधों के उत्पादन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्ल्ड वेटलैंड डे हर वर्ष 2 फरवरी को सेलिब्रेट किया जाता है। बहुत से क्षेत्रो में वेटलैंड्स के बारे में बताने या समझाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। आपको बता दे की 2015 से वेटलैंड्स यूथ फोटो प्रतियोगिता शुरू की गई थी। जो युवा लोगों को लक्षित करने और उन्हें में शामिल करने के लिए एक नए दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में पेश की गई थी। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 15 से 24 वर्ष की आयु के लोग एक निश्चित वेटलैंड की तस्वीर को फरवरी / मार्च महीनों के बीच वर्ल्ड वेटलैंड्स डे वेबसाइट पर अपलोड कर विजेता को स्टार एलायंस बायोस्फीयर कनेक्शंस द्वारा तोफहा दिया जाता है। कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी मोहम्मद इफ्तिखार खान, वन दरोगा महेंद्र रजक, वन रक्षक हल्कूराम, प्रेमचंद सिंह, संतोष कुमार, विवेक कुमार, सुरेश कुमार, ग्याप्रसाद, मंगल सिंह, श्याम सिंह, अरविंद कुमार, जनडेल सिंह, हजारी लाल, सुकदीन, रामदास, पण्डित कृष्णकांत त्रिपाठी, वीरेंद्र सहाय श्रीवास्तव, सिंचाई विभाग से दुर्जन सिंह, अरुण राय छोटू सहित बच्चे उपस्थित रहे।

रुपये व गहने लेकर महिला रफूचक्कर, मामला दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) न्यायालय के आदेश 155 (2) के अन्तर्गत पंकज राजपूत पुत्र स्व. लक्ष्मी प्रसाद निवासी शिवगंज ने बताया कि गजेन्द्र राजपूत पुत्र मातादीन राजपूत निवासी शिवगंज के द्वारा उसकी पत्नी सुखदेवी 34 को सिलसिले आसनाई के चलते भगा ले जाना। जो अपने साथ रुपये व गहने भी लेकर गयी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 498 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

सडक दुर्घटना में व्यक्ति घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) सडक दुर्घटना में व्यक्ति घायल हो गया। प्राप्त विवरण में रामनरेश (33) पुत्र नन्दराम निवासी भदरवारा को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

बाईक फिसली, महिला घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) बाईक फिसलने से महिला घायल हो गयी। प्राप्त विवरण में सावित्री (65) पत्नी लक्ष्मी प्रसाद निवासी नेहरुनगर को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया।

महिला ने किया जहर का सेवन

मऊरानीपुर (झाँसी) अज्ञात कारणों के चलते महिला ने जहर का सेवन कर लिया। प्राप्त विवरण में संध्या (30) पत्नी महेश निवासी गाँधीगंज को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

छठवां चौरी चौरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का दूसरा दिन

चौरी चौरा जन विद्रोह का शताब्दी वर्ष

पुष्पांजली मंडल ब्यूरो- रूप सिंह

राजधानी/चौरी चौरा। अवाम का सिनेमा के बैनर तले आयोजित तीन दिवसीय चौरी चौरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन विभिन्न सांस्कृतिक और नाटकों का दौर चला। राजधानी गांव के राम चन्द्र इंटर कालेज परिसर में दूरदर्शन और आकाशवाणी के चर्चित लोकगायक राम प्रसाद साहेब ने सरोकारी प्रस्तुति दी। देशभक्ति से सराबोर पिंकी और प्रीति के नृत्य ने खूब तालियां बटोरी। चौरी चौरा जन विद्रोह का शताब्दी वर्ष सेमिनार में बोलते हुए वरिष्ठ दस्तावेजी फोटो पत्रकार सुनील दत्ता ने कहा कि गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए दुनिया के अन्य देशों की भांति भारत का भी किसान मजदूर आंदोलित हुआ जिसकी असर चौरी चौरा एक्शन में देखने को मिलता है इसकी तुलना उन्होंने 14 जुलाई 1789 के फ्रांस के निरंकुशता के प्रतीक बास्टिल पर आंदोलकारियों ने कब्जा कर लिया था। उससे की जा सकती है।

क्रांतिकारी विचारक धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि जहां भी शहीदों का नाम आता हैं। हम सर झुका कर नमन करते हैं। जब हम चौरी चौरा जाते हैं तो देखते हैं वहां ब्रिटिश पुलिस वालों का शहीद स्मारक बना है। हम गुलामी के प्रतीकों को आजाद भारत में पीठ पर लादकर नहीं ढो सकते हैं।आज हमारे देश मे बहुत आंदोलन चल रहे हैं। पुलिस उनको मार रही हैं। ठीक वैसे ही जैसे 4 फरवरी 1922 को अंग्रेजो के पुलिस मार रही थी। फिर कौन पुलिस देश के साथ गद्दारी कर रही थी यही सवाल हैं? डॉक्टर धनंजय यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि सन 1921 का दौर किसान मजदूर के आंदोलन का दौर रहा है इस समय का किसान अपने हक हकूक की लड़ाई ब्रिटिश हुकूमत के साथ स्थानीय जमीदारों के शोषण के खिलाफ भी गोलबंद थे। देश के अन्य हिस्सों के साथ ही चौरी चौरा में अपने दीन हीन दशा के खिलाफ विद्रोह पर उतारू हो गया। जिसका आक्रोश का असर तत्कालीन चौरी चौरा थाना भवन पर हुआ था। जंग ए आजादी आंदोलन पर शोध करने वाले रुद्र प्रताप ने कहा कि चौरी चौरा की जनता शराब, विदेशी कपड़े के खिलाफ स्वदेशी को समर्थन कर रही थी। ब्रिटिश पुलिसिया अत्याचार ने जनता के आक्रोश में घी डालने का काम किया। इतिहास बताता है कि अत्याचार चौरी चौरा जैसे क्रांतिकारी इतिहास को दोहरा सकता है। क्रांतिकारी चिंतक अविनाश गुप्ता ने कहा कि आज हम सब लोग संकल्प लेते हैं कि चौरी चौरा कांड को हम कांड नही जन विन्द्रोह कहेंगे। क्योंकि यह कांड नही जन विद्रोह था। उन्होंने कहा कि यह जन आंदोलन किसी एक विशेष का नही इसमें सभी वर्ग के लोग शामिल हुए थे। चौरी चौरा जन विद्रोह जन आंदोलन डुमरी खुर्द से निकल कर विश्व के इतिहास में दर्ज हो गया। हीरालाल यादव ने कहा कि आजादी मिली लेकिन हम आजादी को किस तरफ ले जा रहे यह समझना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम वीर सपूतों को याद करते हैं और उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर हम सभी को जरूर चलना चाहिए। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक विचारक परुषोत्तम त्रिपाठी ने अपने संबोधन के दौरान अध्यक्षीय भाषण में त्रिपाठी ने कहा कि चौरीचौरा विद्रोह भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की नींव है, उसे ही आधार बना कर आगे के आंदोलन होते रहे। चौरी चौरा ऐसा संघर्ष जिसमें राष्ट्रीय आंदोलन को दिशा दी। हमे अपने अंतर्विरोधों को दूर करने में शताब्दी वर्ष मदद करेगा। डॉक्टर गरिमा ने अवाम के सिनेमा के पंद्रह वर्षों के सफरनामे में प्रकाश डाला। संचालन राम उग्रह यादव ने किया।

शहीद अब्दुल्लाह पर नाटक का हुआ मंचन-नाटक के जरिए जनपद के ब्रह्मपुर ब्लॉक अंतर्गत राजधानी गांव निवासी क्रांतियोद्धा अब्दुल्लाह के संघर्ष को उकेरा गया। अब्दुल्लाह टोकरी में कांच की चूड़ियां लेकर गांव-गांव बेचते थे। उसी से उनके परिवार का जीविकोपार्जन होता था। असहयोग आंदोलन की चर्चा शुरू हुई तो अब्दुल्लाह फ़रवरी 1921में महात्मा गांधी का भाषण सुनने भगवान अहीर,विक्रम और नजर अली के साथ गोरखपुर गए थे। अब्दुल्लाह इसके बाद जल्द ही पत्नी तीलिया और 2-3 साल के बेटे रसूल को छोड़कर अहमदाबाद कमाने चले गए। दिसम्बर 1921 में वहां कांग्रेस अधिवेशन में स्वयं सेवक के रूप में मुस्लिम मेस में काम किया। अब्दुल्लाह अधिवेशन में हुई चर्चा से प्रभावित थे।वहीं उन्हें रूसी क्रांति और मजदूरों किसानों के राज्य की स्थापना की जानकारी मिली। मजदूर किसान के राज का स्वप्न लिए अब्दुल्लाह अपने गांव राजधानी आए। विद्रोही विक्रम अहीर,भगवान

अहीर और कोमल पहलवान थे। उस दौर के 40-50 किलोमीटर के पहलवानों में आपसी सम्बन्ध थे। डूमरी खुर्द के अखाड़े को नजर अली चलाते थे। सहुआकोल के कोमल पहलवान चौरी चौरा विद्रोह के समय थाने में थे। कोमल पहलवान पहले व्यक्ति है जो जेल से भागने में सफल हो गए लेकिन पुनः मुखबिरी के बाद इनकी गिरफ्तारी हो गई। 1924 के गर्मियों में इनकी फांसी हो गई। अब्दुल्लाह और कोमल की अपने अपने इलाके के जमींदारों से अदावत थी।ये लोग सामंतों के उत्पीड़न के शिकार थे। लाल मोहम्मद ,नजर अली ,भगवान अहीर सबसे पहले नेशनल वालिंटियर बन गए थे। राजधानी मंडल के अध्यक्ष अब्दुल्लाह थे।13 जनवरी,1922 को डूमरी खुर्द में मण्डल स्थापना के बाद दूसरी मीटिंग 4 फरवरी शनिवार को होनी थी। भगवान अहीर की थानेदार गुप्तेश्वर सिंह से पिटाई के बाद स्वयं सेवक बहुत आहत थे। विद्रोहियों की भीड़ 4 फरवरी को दोपहर 1 बजे किसानों के नेतृत्व में दो हजार से ज्यादा गांव वालों ने थाने को घेर लिया।ब्रिटिश सत्ता के लंबे अपमान और उत्पीड़न की प्रतिक्रिया में उन्होंने थाना भवन में आग लगा दी। जिसमें छुपे 24 सिपाही जल कर मर गए थे। उसके बाद ब्रिटिश हुकमत ने जबरदस्त तांडव शुरू हुआ। फिरंगी सरकार का दमन चला जिसमें एक - एक करके विद्रोही गिरफ्तार हुए। आदालती कार्यवाही के बाद 19 आंदोलनकारियों को सजा ए मौत के बाद विभिन्न जेलों में फांसी दे दी गई। तमाम को विभिन्न सजाए हुई। मुकदमा अब्दुल्लाह व अन्य बनाम ब्रिटिश हुकमत के नाम से चला। राजधानी निवासी अब्दुल्लाह के गिरफ्तारी के समय उनके बेटे रसूल की उम्र 4-5 साल की थी। पत्नी तीलिया की आंखो की रोशनी धीरे- धीरे चली गई। उनका और घर परिवार का जबर्दस्त उत्पीड़न हुआ। अब्दुल्लाह की फांसी बाराबंकी के जिला कारागार में 3 जुलाई 1923 को प्रातः 6 बजे हुई थी। बाराबंकी जेल में फांसी होने के बाद तीलियां बाराबंकी गई थी लेकिन शहीद पति की लाश अपने गांव न ला सकी। नाटक में ऐसे मार्मिक दृश्य देखकर लोगों के आखों में आंसू आ गए।

छठवें चौरी चौरा फ़िल्म फेस्टिवल में दिखाई जाने वाली फिल्में-अवाम का सिनेमा द्वारा राजधानी गांव में बनाए गए ओपन थियेटर में आजादी आन्दोलन से जुड़ी इंकलाब, मोमबत्ती, चिटगांव आदि फिल्में प्रदर्शित की गई। इसके इलावा भारत के अनन्त महादेवन द्वारा निर्देशित फ़िल्म ~विलेज ऑफ अ लीसर गॉड, निलिमा अब्रम्स द्वारा निर्देशित फ़िल्म ~द टेंट विलेज, हेमंत कुमार महाले की ~काली मिट्टी, सुरेश की कीर्ति आदि साथ ही इटली के फिल्म निर्देशक इलिशा पिरिया की फ़िल्म ~मिलानो मिलानोवैक, माल्टा के फ़िल्म निर्देशक मौरीक मैक्लेफ़ की फ़िल्म~ द रोमंस, फिलिपींस के मॉक ऑर्थर एलेक्जेंडर की फ़िल्म क्रॉसरोड्स, यूनाईटेड स्टेटस के जॉएल टुयबेर की फ़िल्म~ द शेयरिंग प्रोजेक्ट्स, यूनाईटेड किंगडम के जोरसलोव गोगोलिन की फ़िल्म ~वन्स ऑन ऑल हैलोज़ इव, लुधियाना के जॉन्स सीलरोलोनी की फ़िल्म~ द स्काई कम्युनिकेशन आदि फिल्में फेस्टीवल के यूट्यूब पेज पर निःशुल्क प्रदर्शित की जा रही हैं।

संगठन सृजन अभियान के अन्तर्गत काँग्रेसियों का हुआ कार्यकर्त्ता सम्मेलन

मऊरानीपुर (झाँसी) काँग्रेस द्वारा संगठन को मजबूत बनाने के लिये चलाये जा रहे संगठन सृजन अभियान के अन्तर्गत हुये कार्यकर्त्ता सम्मेलन में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने व जनता की समस्याओं के निराकरण हेतु संघर्ष करने पर बल दिया गया। मुहल्ला कुरैचानाका में हुये सम्मेलन में बडी संख्या में काँग्रेसी नेता व कार्यकर्त्ता उपस्थित हुये । पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के मुख्य आतिथ्य में एवं काँग्रेस के जिलाध्यक्ष भगवान दास कोरी की अध्यक्षता में हुये सम्मेलन में पार्टी के बुर्जुग नेताओं से लेकर युवा कार्यकर्त्ताओं तक ने संगठन व क्षेत्र की समस्याओं के सम्बन्ध में विचार व्यक्त किये। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि काँग्रेस पार्टी किसान, गरीब, मजदूर, महिलाओं, बेरोजगारों, युवाओं समेत सभी वर्गो के हक की लडाई लड रही है। उन्होनें कहा कि आने वाला कल काँग्रेस का ही होगा। उन्होनें कहा कि सृजन अभियान को सफल बनाने , जिला पंचायत ,क्षेत्र पंचायत व ग्राम पंचायत चुनावों में पार्टी के अधिक से अधिक प्रत्याशियों को जिताने के लिये कमर कसकर तैयार होने का आव्हान किया। सम्मेलन में वरिष्ठ गाँधीवादी नेता राजेन्द्र रेजा ने कार्यकर्त्ताओं से जनसमस्याओं का निराकरण कराने हेतु संघर्ष करने का आव्हान किया। सम्मेलन में किसान काँग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार, पीसीसी सदस्य कुंवर मुकुट सिंह, वरिष्ठ काँग्रेसी नेता किदारी लाल शर्मा, रमेश चन्द्र राय विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष भगवान दास कोरी ने कहा कि जनता की समस्याओं के लिये वह हर समय लडाई लडने के लिये तैयार रहते है। उन्होनें कहा कि जिला पंचायत के चुनाव में काँग्रेस बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी। कार्यक्रम का संचालन अशोक गुप्ता ने किया। इस अवसर पर ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष दीनदयाल गुप्ता, नगर अध्यक्ष जगदीश वर्मा, पिछडा वर्ग काँग्रेस के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र सिंह यादव, जिला सचिव सुनील दुबे, जिला सचिव मीना आर्य, पूर्व नगर अध्यक्ष जलालउद्दीन , ब्रहम्प्रकाश सोनी, मथुरा देवी कुशवाहा, जगदीश आर्य, प्यारे लाल बेधडक, किशोरी ठंगेले, सुरेश नगाइच, विनोद अहिरवार, मुहम्मद इस्माइल, इरफान मसूदी, रामलाल कुशवाहा, शंकर कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, सीताराम कुशवाहा, धनीराम श्रीवास, हनीफमलिक, संजीव पटेल, ठाकुरदास अहिरवार, कल्लू कुशवाहा, राहुल, गोकुल प्रसाद, प्रकाश चचोल्या, भजन लाल ललितपुरया , ठाकुरदास कुचया, मुन्ना लाल, कल्लू रतोस्या, भूपेश आर्य, प्रेमचन्द्र बकना, परशुराम चोमुआ, अमित नोटया समेत बडी संख्या में काँग्रेसी उपस्थित रहे। अन्त में नगर अध्यक्ष जगदीश वर्मा ने आभार व्यक्त किया।

समाजवादी पार्टी के नगर महासचिव का धूमधाम से मना 36 वाँ जन्मदिन

मऊरानीपुर (झाँसी) समाजवादी पार्टी के नगर महासचिव रामकिशोर भटनागर का 36 वाँ जन्मदिन बडे हर्षोल्लास के साथ धूमधाम तरीके से मनाया गया। जिसमें समाजवादियों ने मदर फूड्स पर नगर महासचिव रामकिशोर भटनागर से केक कटाया और जन्मदिन पार्टी का जोरदार जश्न मनाया गया। इस मौके पर विजय शर्मा, जनाब चाँद राईन, रवि आर्य, हेमन्त यादव, संतोष सेठ, डॉ. प्रशान्त चतुर्वेदी, अतरुप सिंह, भास्कर, जनाब जावेद खान, महेन्द्र श्रीवास, धर्मेन्द्र सोनी, रोहित अहिरवार, विजय आर्य, राजेन्द्र, महेन्द्र आर्य आदि समाजवादियों ने जन्मदिन पार्टी के मौके पर पहुँचकर नगर महासचिव रामकिशोर भटनागर को शुभकामनायें एवं बधाईयाँ दी।

कोतवाली प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने मय फोर्स के बैंकों में की संघन चैकिंग

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर में अपराधियों पर नकेल लगाये तेज तर्रार कोतवाली प्रभारी शैलेन्द्र सिंह बराबर नगर में कडी निगरानी बनाये हुये देखे जा रहे है। जिससे किसी भी प्रकार से कोई भी अपराधिक किस्म के कार्य कतई न हो सके। इसी के चलते कोतवाली प्रभारी शैलेन्द्र सिंह नगर में संघन नजर बनाये हुये देखे जा रहे है। जिससे नगरवासियों को भी काफी राहत मिल रही है। अपराधियों में काफी भय डर देखा जा रहा हैं। इसी के चलते कोतवाली प्रभारी शैलेन्द्र सिंह बैंकों पर भी कडी निगरानी बनाये हुये नजर आ रहे है। कारण कि अधिकांश बैंको से खबरे मिल रही थी। तो इसी के चलते उनके द्वारा बैंकों की भी संघन चैकिंग की गयी। और लोगों को सुरक्षा से सम्बन्धित जागरुकता का पाठ भी पढाया गया। वह जमा निकासी पर लगी भीड और काउण्टरों एवं सीसीटीवी के साथ बाहर बाईकों को सही लगाने के लिये भी निर्देश देते नजर आये। वही बैंकों में संघनता के साथ चैकिंग की गयी। जिससे बैंको में जोरदार हलचल की स्थिति देखी गयी। वही बैंक स्टाफ को काफी राहत मिलना देखी गयी। जो बैंकों में भीड लगाकर लोग आमदा हो जाते थे। वह कोतवाली प्रभारी के साथ मय फोर्स देखकर दूरी बनाये हुये नजर आये। जिससे नगर के बैंकों में कडाई से चैकिंग की गयी। कोतवाली प्रभारी के कार्यों की नगर में सराहनीय चर्चा जोरों पर देखने को मिल रही है।

फर्स्ट एशियन ऑनलाइन शूटिंग चैंपियनशिप कुवैत-2021

मप्र की मनीषा कीर ने एशियन शूटिंग में देश को दिलाया कांसा

भोपाल ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी मनीषा कीर ने दिल्ली से ऑनलाइन शूटिंग चैंपियनशिप में भागीदारी करते हुए कुवैत में आयोजित फर्स्ट एशियन ऑनलाईन शूटिंग चैम्पियनशिप में देश को कांस्य पदक दिलाया। मनीषा ने यह पदक वूमेन ट्रैप इवेंट में प्रदर्शन करते हुए 136 अंकों के साथ अर्जित किया। कुवैत शूटिंग फेडरेशन द्वारा फर्स्ट एशियन ऑनलाइन शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया।

मनीषा ने अब तक देश को दिलाए हैं 11 पदक

मत्स्य पालक की बेटी मनीषा कीर ने वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में प्रवेश लिया और शूटिंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक मनशेर सिंह के मार्गदर्शन में शॉटगन खेल का प्रशिक्षण प्रारंभ किया। शूटिंग में अपना कैरियर बनाने वाली मनीषा ट्रैप इवेंट की प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अब तक दो स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य सहित 11 पदक देश को दिलाए हैं। मनीषा ने राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिताओं में 21 स्वर्ण, 6 रजत एवं 6 कांस्य पदक इस प्रकार कुल 33 पदक अर्जित कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

खेल मंत्री ने किया शूटिंग अकादमी का निरीक्षण

खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने मंगलवार को शूटिंग अकादमी का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निमार्णाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर संचालक खेल और युवा कल्याण पवन जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। शूटिंग अकादमी पहुंची खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया से अकादमी की खिलाड़ी मनीषा कीर ने सौजन्य भेंट की और उन्हें अपनी उपलब्धियों से अवगत कराया। खेल मंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रखने के लिए हरसंभव प्रयास करते हुए उन्हें ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। मनीषा कीर की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि कोरोना जैसी बीमारी भी हमारे खिलाड़ियों के हौसले को दबा नहीं सकती। उन्होंने चैंपियनशिप में मनीषा कीर द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए मनीषा को बधाई दी। खेल मंत्री ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय स्पधाओं में प्रदेश की बेटियां उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और पदक जीत कर देश का परचम फहरा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी खिलाड़ी बेटी पर गर्व है।

वर्ल्ड क्लास शूटिंग अकादमी

संचालक खेल और युवा कल्याण पवन जैन ने बताया कि खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा राजधानी भोपाल के समीप गोरा गांव में संचालित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तरीय खेल सुविधाएं और ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जा रही है। खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया जी की पहल और प्रयासों से प्रारम्भ हुई वर्ल्ड क्लास शूटिंग अकादमी के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिल रहा है।

न्यूज. ब्रीफ

जोकोविच दूसरे दौर में पहुंचे , नडाल पीठ दर्द के कारण बाहर हुए

मेलबर्न । स्पेन के शीर्ष खिलाड़ी राफेल नडाल पीठ दर्द के कारण एटीपी कप टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। नडाल ने ऑस्ट्रेलिया के अलेक्स डि मिनौर के खिलाफ होने वाले मैच से पहले ट्विटर पर घोषणा की कि उनकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द है जिसके कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि मैं गुरुवार तक फिट हो जाऊंगा। उनके हटने के बाद राबर्टो बातिस्ता आगुट स्पेन के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं और वह मिनौर के खिलाफ कोर्ट पर उतरेंगे जबकि पाब्लो कारेनो बस्टा नंबर दो खिलाड़ी की जगह लेंगे। वहीं इसी बीच शीर्ष रैंकिंग प्राप्त सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच की अगुवाई में सर्बिया ने कनाडा को 2-1 हराकर अपने अपने अभियान की शुरूआत की है। जोकोविच ने डेनिस शापोवालोव को 7-5, 7-5 हराया। इसके बाद उन्होंने फिलिप क्राजिनोविच के साथ मिलकर मिलोस राओनिच और शापावालोव को 7-5, 7-6 (4) से पराजित किया। वहीं ग्रुप सी के एक मुकाबले में इटली ने ऑस्ट्रिया को 2-1 से हराया। मैटियो बेरेटिनी ने इस मुकाबले में अमेरिकी ओपन चैंपियन डोमिनिक थीम पर 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले हुए अभ्यास टूनार्मेंट में सेरेना की अच्छी शुरूआत

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के लिए हुए अभ्यास टूनार्मेंट डब्ल्यूटीए गिप्सलैंड ट्रॉफी में अमेरिका की सेरेना विलियम्स ने जीत दर्ज की है। सेरेना ने महिला एकल के पहले दौर में डारिया गावरिलोवा को 6-1 , 6-4 से हराया। सेरेना के नाम 23 खिताब हैं और इस प्रकार वह इस बार 24 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब के मार्गरेट कोर्ट के रिकार्ड की बराबरी कर सकती हैं। वहीं इससे पहले अमेरिका की ही कोको गॉ को टूनार्मेंट के पहले दौर में जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।एक अन्य मैच में आस्ट्रेलिया की डेस्टानी एयावा ने श्लोए पाकेत को 6-1, 4-6, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन आठ फरवरी से शुरू होगा। कोरोना महामारी संबंधी पृथकवास प्रोटोकॉल के कारण यह तीन सप्ताह विलंब से शुरू किया जा रहा है। इससे पहले छह टूनार्मेंट अभ्यास के लिये होने हैं जिनमें सबसे बड़ा एटीपी कप टीम पुरूष टेनिस टूनार्मेंट है। इनके अलावा ग्रेट ओशन रोड ओपन और मर्रे रिवर ओपन भी होंगे। महिलाओं के लिए गिप्सलैंड ट्रॉफी के अलावा यारा वैली क्लासिक और ग्राम्पियंस ट्रॉफी भी है। यारा रिवर क्लासिक में अनास्तासिया पी ने जापान की मिसाकी दोइ को 6-1, 6-4 से हराया।

ओडिशा एफसी ने कोच बैक्सटर को बर्खास्त किया

नई दिल्ली । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम ओडिशा एफसी ने मुख्य कोच स्टुअर्ट बैक्सटर को उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए बर्खास्त कर दिया है। कोच ने जमशेदपुर एफसी के खिलाफ मैच हारने के बाद साक्षात्कार के दौरान रेफरी के फैसले की आलोचना करते हुए बलात्कार से उसकी तुलना की थी। सोमवार को बम्बोलिम में खेले गये मैच में जमशेदपुर एफसी ने ओडिशा को 1-0 से हराया था। क्लब ने बाद में इस बयान पर सार्वजनिक माफी मांगते हुए टीम के साथ कोच के करार को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया। क्लब की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया, ओडिशा एफसी ने मुख्य कोच स्टुअर्ट बैक्सटर के अनुबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का फैसला किया है। वहीं बचे हुए सत्र के लिए अंतरिम कोच की घोषणा जल्द ही की जाएगी। इस करीबी मुकाबले में टीम की हार के बाद बैक्सटर ने रेफरी के फैसले पर निराशा जतायी थी। ओडिशा ने मैच के आखिरी क्षणों में पेनल्टी की मांग करते हुए दावा किया कि टीपी रेहेनेश पेनल्टी क्षेत्र में उनके खिलाड़ी डिएगो मौरिको से गलत तरीके से भिड़ गये लेकिन रेफरी ने उनकी मांग को खारिज कर दिया था।

| भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल की राह आसान |

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्थगित किया दक्षिण अफ्रीका का दौरा

▶ खिताबी जंग में न्यूजीलैंड की जगह पक्की

मेलबर्न ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने कोविड-19 महामारी के बढ़ते खतरे के बाद अस्वीकार्य स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम का हवाला देते हुए अगले महीने के दक्षिण अफ्रीका के दौरे को स्थगित कर दिया, जिससे वह इस साल आयोजित होने वाले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है।ऑस्ट्रेलिया को इस दौरे पर तीन टेस्ट मैच खेलने थे। दक्षिण अफ्रीका में हालांकि कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ रहे हैं और इस वायरस का नया स्ट्रेन भी मिला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अंतरिम प्रमुख निक हॉकले ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना संभव नहीं है।

यह दौरा रद्द होने से भारतीय टीम के आसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की राह पहले से आसान हो गई है। वहीं, न्यूजीलैंड की फाइनल में जगह पक्की हो गई है। चैम्पियनशिप का फाइनल इसी साल जून में लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

हॉकले ने कहा, मेडिकल टीम से गहन विचार-विमर्श के बाद यह साफ हो गया है कि इस समय ऑस्ट्रेलिया से दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करने से हमारे खिलाड़ियों, सहायक कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम अस्वीकार्य स्तर पर है। उन्होंने कहा, हम दौरे का प्लान बनाने में सीएसए (क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका) द्वारा किए गए अहम कार्यों को स्वीकार करते हैं। इस दौरान हमने यह भी साफ किया था कि सीरीज को सुनिश्चित करने के लिए सीए अतिरिक्त लागत और कोशिश के लिए तैयार था। इस घोषणा से जून में इंग्लैंड में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों को झटका लगा है। प्वॉइंट टेबल की टॉप दो टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। ऑस्ट्रेलिया डब्ल्यूटीसी प्वॉइंट टेबल में भारत और न्यूजीलैंड के बाद फिलहाल तीसरे पायदान पर है। उसे डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका में कम से कम 2-0 की जीत दर्ज करनी थी। हॉकले ने कहा, यह फैसला इतना आसान नहीं था और खासकर इस समय इंटरनैशनल क्रिकेट के महत्व को देखते हुए हम निराश हैं। इससे सीएसए के साथ हमारे बेहतर संबंध और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के पहले आयोजन में प्रतिस्पर्धा करने की हमारी आकांक्षाएं प्रभावित हुई हैं।

अब भारत को चाहिए कम से कम 2 जीत और एक ड्रॉ

भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रहे चार मैचों की टेस्ट सीरीज के दो मुकाबले अगर ड्रॉ रहते हैं तो ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल में पहुंचने का मौका मिल सकता है। हॉकले ने कहा, हम महामारी की शुरूआत के बाद से लगातार कहते आ रहे हैं कि हमारे लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा हमेशा हमारी टॉप प्रॉयरिटी है और दुर्भाग्य से बायो-बबल योजना के लिए सहमत होने के बाद भी इस समय जोखिम का स्तर काफी ज्यादा है। पिछले साल इंग्लैंड ने भी वनडे इंटरनैशनल सीरीज के बीच में टीम होटल में कोविड-19 का मामला मिलने के बाद दक्षिण अफ्रीका के दौरे को छोड़ दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल बांग्लादेश के दौरे को भी कोविड-19 के कारण निलबित कर दिया था। टीम इंडिया इस समय परसेंटेज पॉइंट के आधार पर टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की होड़ में सबसे आगे है। भारतीय टीम के 71.7 परसेंटेज पॉइंट हैं। ऑस्ट्रेलिया का साउथ अफ्रीका दौरा रद्द होने से पहले भारत को पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज कम से कम 2-0 के अंतर से जीतना जरूरी था, लेकिन अब यदि टीम इंडिया 2-1 के अंतर से भी जीत हासिल करती है तो वह फाइनल में पहुंच जाएगी। इस स्कोर लाइन से भारत के 69.44 परसेंटेज पॉइंट होंगे और वह ऑस्ट्रेलिया से आगे टॉप-2 में रहेगी।

लिन, वोक्स और नबी को खरीद सकती है आरसीबी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14 सत्र में सफलता के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) अपनी टीम में कुछ बदलाव करने जा रही है। इसी के तहत आरसीबी ने क्रिस मौरिस, शिवम दुबे, इसुरु उडाना सहित अपने 10 खिलाड़ियों को बाहर कर दिया है। वहीं आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ ट्रेड के दौरान दो खिलाड़ियों को खरीदा भी है। अब माना जा रहा है कि नीलामी में आरसीबी की नजरें तीन युवा खिलाड़ियों पर रहेगी। यह तीन खिलाड़ी हैं।

क्रिस लिन: आरसीबी शुरूआती जोड़ी की अब भी तलाश कर रही है। टीम अभी तक इसमें सफल नहीं रही है। यही कारण है कि टीम प्रबंधन ने एरॉन फिंच को रिलीज कर दिया है। ऐसे में आरसीबी को अब एक अनुभवी सलामी बल्लेबाज की जरूरत है, जो युवा देवदत्त पडिक्कल के साथ टीम को अच्छी शुरूआत दे सके। 2020 के आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए क्रिस लिन अधिकांश मौकों पर बेंच पर ही बैठे रहे।

क्रिस वोक्स: रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के ओपनर के अलावा ऑल राउंडर भी अपना काम ठीक से नहीं कर पाए हैं, जिसके चलते शिवम दुबे, क्रिस मौरिस, मोईन अली और इसुरु उडाना को बाहर किया गया है। आरसीबी ने डेनियल सैम्स और हर्षल पटेल को टीम में शामिल किया है, लेकिन अभी उन्हें अच्छे ऑल राउंडर्स की जरूरत है। आरसीबी प्रबंधन वोक्स को लेने के लिए तैयार हो सकते हैं, यदि दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन उन्हें रिलीज करता है लेकिन तब दिल्ली कैपिटल्स देवदत्त पडिक्कल की बदले में मांग कर सकता है, क्योंकि दिल्ली को भी ओपनर की तलाश है।

मोहम्मद नबी: मोहम्मद नबी नियमित रूप से हर लीग में अंतिम के सदस्य रहे हैं, लेकिन आईपीएल में ऐसा नहीं हुआ। अफगानिस्तान के इस ऑल राउंडर ने 4 सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए केवल 14 मैच खेले हैं। वह ऐसी टीम में जाना चाहेंगे, जहां वह नियमित रूप से खेल सकें और आरसीबी की इसमें रुचि हो सकती है।

भारतीय पत्रकार संघ एआइजे पत्रकारों का सहयोग करने वाला सबसे विश्वसनीय संगठन-सेवा के लिए करें पत्रकारिता

सांसद रमेश विधूड़ी

नई दिल्ली में हुई भारतीय पत्रकार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की वार्षिक बैठक

हिमालय गोहिया

नई दिल्ली/सीहोर। नई दिल्ली के संगम विहार में एक सभागृह में भारतीय पत्रकार संघ एआईजे की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की वार्षिक बैठक दिल्ली के सांसद रमेश विधूड़ी के मुख्य आतिथ्य एवं भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन की अध्यक्षता में हुई। बैठक का आयोजन एआईजे नई दिल्ली इकाई की प्रदेश अध्यक्ष मोमना बेगम ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि सांसद श्री विधूड़ी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय पत्रकार संघ पत्रकारों का सहयोग करने वाला सबसे विश्वसनीय संगठन है। इस राष्ट्रीय परिवार की लोकप्रियता देशव्यापी है।

उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार, गरीब की सेवा, समाज की सेवा, और राष्ट्र की सेवा का ध्येय लेकर पत्रकारिता करें। सांसद ने पत्रकार और पत्रकारिता की मुश्किलों का जिक्र करते हुए कहा कि सच्चा पत्रकार वही है जो पत्रकारिता के मूल्यो को स्थापित करते हुए पत्रकारिता करे। इस अवसर पर एआईजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सेन नेसंगठन की प्रगति का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर कहा कि हमने देश भर में संगठन के माध्यम से एक राष्ट्रीय परिवार बनाया है। इस परिवार के लोग एक-दूसरे की मदद के लिए देश भर के चार सौ से अधिक जिलों व 22 राज्यो में सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि संगठन में ही शक्ति है और इस्का उपयोग राष्ट्र निर्माण के साथ सांप्रदायिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में करें। कार्यक्रम का संचालन नई दिल्ली के हिन्दी नेशनल न्यूज पेपर के कॉलमनिस्ट व जर्नलिस्ट सुल्तान भारती ने किया। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित दिल्ली के एडव्होकेट एमके खन्ना ने कहा कि पत्रकार साथी कानूनी सलाह के लिए मुझ से कभी भी संपर्क कर सकते है। लीगल सेल के चेयरमैन व वरिष्ठ अधिवक्ता श्री नाहर ने पत्रकार जगत के साथी द्वारा पत्रकारिता के दौरान कोई प्रकरण बनने की परेशानी में पत्रकार साथी के हितार्थ एआइजे के लीगल सेल की राष्ट्रीय टीम सदैव तैयार रहती है। बैठक में नई दिल्ली, उ.प्र., महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड आदि राज्यों से संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद श्री विधूड़ी ने एआईजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सेन को उनकी पत्रकार साथियों को एकजुट करने तथा हमेशा हर संभव मदद करते रहने पर विशेष रूप से सम्मानित किया। साथ ही मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय उपाध्यक्षद्वय अजीजुद्दीन शेख तथा सुरेश पटेल इंदौर,मनोहर मंडलोई, राशिद खान, मुकेश श्रीवास, किशोर दादा दग्गी, जिग्नेश शाह, लीगल सेल चेयरमैन अरिहंत नाहर, एमएस शेख़, जयपाल पाटिल, रविन्द्र नेरकर, शाहनवाज खान, सुल्तान जी भारती, जिग्नेश जोशी, चंद्रशेखर गायकवाड़, राजेन्द्र अग्रवाल, प्रदीप शुक्ला, विकास भारद्वाज, अशोक शर्मा,विनोद जोशी, शाहिद अंजुम, लालजी महाराज, एआईजे यूथ विंग के विक्की पंडित, शिवकुमारी शुक्ला, शाहीबा खान दिल्ली, वंदना अग्रवाल दिल्ली, आशा यादव, मोहम्मद मुशर्रफ खान दिल्ली आदि साथियों को माला, मेडल पहनाकर व शील्ड से सम्मानित किया।

अपनी अनूठी कला का धनी है पेंटर रामपाल प्रजापत

जो मंजिलों को पाने की चाहत रखते है,
वो समुन्द्रों पर भी पत्थरो के पुल बना देते है।

पुष्पांजली टुडे

जोधपुर । बावड़ी क्षेत्र के खेड़ापा के पेंटर रामपाल प्रजापत की पेंटिंग कला की कहानी । जिस इंसान के अंदर हौसला होता है वह अपने हौसले से सब कुछ हासिल कर सकता है। हौसला होना हर इंसान के लिए बहुत जरुरी होता क्योकि उसी की मदद से वह अपनी सभी तरह की मुसीबतो से छुटकारा पा सकता है 7 अपने अंदर हौसला लाने के लिए आपको कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है । ठीक इसी तरह की मिसाल कायम कर खेड़ापा गांव का नाम रोशन किया है , पेंटर रामपाल प्रजापत ने। प्रत्येक व्यक्ति में कला समाहित होती है, केवल उसे अभिव्यक्त करने के लिए प्लेटफार्म की आवश्यकता होती है। कला किसी की मोहताज नहीं होती, वह तो स्वयं से उजागर होती है जिसे सही मार्ग पर लाने का कार्य गुरु करता है। ये उद्गार राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय घड़ाव पंचायत समिति मंडोर जिला जोधपुर के प्रधानाध्यापक श्री हुकम सिंह देवड़ा द्वारा दिए गए। मेरे विद्यालय में ,मेरा विद्यालय सुरक्षित विद्यालय ,राष्ट्रगान, प्रतिज्ञा, संविधान उद्देशिका, राष्ट्रध्वज चित्र, स्कूल सुरक्षा के तहत बाल सुरक्षा, विद्यालय नाम लेखन साइन बोर्ड, यूथ एवं इको क्लब, धूम्रपान निषेध, भारत का नक्शा, राजस्थाान का नक्शा, छात्र उपस्थिति बोर्ड, पोषाहार कार्यक्रम बोर्ड, कर्मचारी उपस्थिति बोर्ड, संस्थापन सूचना बोर्ड इत्यादि बोर्ड बनाएं है। जो बहुत ही शानदार एवं काबिले तारीफ है। पेंटर रामपाल प्रजापत ने इस प्रकार की पेंटिंग कला में निपुणता तब पाई जब पढ़ाई पूरी करने के बाद हाथ कला की ओर अपना रूख किया। पेंटिंग कार्य करते हुए 18 वर्ष हो चुके हैं।अद्भुत प्रतिभा का धनी पेंटर रामपाल प्रजापत ने अपनी हाथ कला का बखूबी इस्तेमाल किया। उनको इस कार्य के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जा चुका है। इस प्रतिभा को देखकर बड़े-बड़े दिग्गज भी दंग रह गए। पेंटर प्रजापत को बचपन से ही चित्र लेखन कार्य बनाने का शौक था। लेकिन पढ़ाई के कारण उन्होंने अपनी एक प्रतिभा को दबा के रखा था। मैट्रिक परीक्षा और इंटर की परीक्षा के पास करने के साथ पेंटिंग कार्य करते हुए ग्रेजुएशन की शिक्षा प्राप्त की। पेंटर प्रजापत ने इसके बाद दूसरी प्रतिभा साहित्य लेखन कार्य को अपनाया। पेंटर प्रजापत ने सैकड़ों चित्र चित्रकारी एवं पेंटिंग लेखन कार्य राजकीय विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, शादी समारोहों में एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर बनाएं।

क्या हुआ जो उसके सिर पर माँ -बाप का साया नहीं
बोलो अनाथों के क्या कहीं कोई फरियाद नहीं होती
हाथों में उसके कई रंग है
आँखों में उसके छुपी हुई नमी है
ना आज की उसे चिंता है
ना आनेवाले कल की उसे पड़ी है
बस भरना है रंग जिंदगी में
काली रात की डर भी कहां पड़ी है
ढाल रहा कुछ ऐसे अपनी कला को
मानो अभी उसकी कल्पना बोल उठी हैं
कला किसी की मोहताज नहीं होती है
ये वो सौगात है जो हर किसी के पास नहीं होती है

अडाणी एंटरप्राइजेज का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 10.39 प्रतिशत घटकर 343.17 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। अडाणी एंटरप्राइजेज का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर, 2020 में समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 10.39 प्रतिशत घटकर 343.17 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 382.98 करोड़ रुपये का एकीकृत मुनाफा कमाया था। गौतम अडाणी की अगुवाई वाली कंपनी ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत कुल आय बढ़कर 11,787.82 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,075.32 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 11,303.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,635.16 करोड़ रुपये था। अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी ने बयान में कहा कि सौर विनिर्माण कारोबार की बिक्री बढ़ने की वजह से तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत कुल आय छह प्रतिशत बढ़कर 11,788 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। तिमाही के दौरान कंपनी का ब्याज, कर, मूल्यह्रास और उधार समाप्त करने के प्रावधानों से पूर्व का लाभ (ईबीआईडीटीए) छह प्रतिशत बढ़कर 939 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा, संकट के साल में अडाणी एंटरप्राइजेज ने आमदनी और ईबीआईडीटीए में बढ़ोतरी दर्ज की है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की जुझारू क्षमता को दर्शाता है। साथ ही यह देश के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए हमारे भरोसे और प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

एक नजर...

प्रदेश के अनुसूचित-जाति बहुल 1033 ग्राम बनेंगे आदर्श ग्राम

ग्वालियर। प्रदेश के 1033 अनुसूचित-जाति बहुल ग्रामों का आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किये जाने के लिये चयन किया गया है। योजना के क्रियान्वयन के लिये केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से 159 करोड़ 72 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है। योजना में चयनित ग्रामों में 994 ग्रामों के विकास के लिये ग्राम विकास योजना तैयार कर ली गयी है। चयनित इन ग्रामों में कन्वर्जेंस के माध्यम से विभिन्न विकास विभागों की योजनाओं को शामिल करते हुए ग्रामों का समुचित विकास किया जायेगा। केन्द्र सरकार द्वारा इन ग्रामों के विकास के लिये ऐसे काम लिये गये हैं, जो किसी अन्य विभाग द्वारा नहीं किये जा रहे हैं या उनके पास नियमित बजट की कमी है। योजना में प्रति ग्राम 20 लाख रुपये की राशि उपलब्ध करायी गयी है। प्रदेश के चयनित ग्रामों के विकास के लिये 32 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। जिन गाँव में विकास योजना तैयार कर ली गयी है, उनमें प्रमुख रूप से आंतरिक सड़क निर्माण, नाली निर्माण, स्ट्रीट-लाइट, आँगनवाड़ी भवन, शाला भवन, पेयजल सुविधा जैसे बुनियादी कार्य प्राथमिकता के साथ किये जा रहे हैं। इस योजना में देशभर में जितना काम हुआ है, उसका 24 प्रतिशत काम मध्यप्रदेश में पूरा किया गया है। प्रदेश में योजना का क्रियान्वयन अनुसूचित-जाति कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश में इस योजना में 31 मार्च, 2022 तक कार्य पूरा किये जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह आज ग्वालियर आयेंगे

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह 4 फरवरी को ग्वालियर आयेंगे। श्री कुशवाह इस दिन प्रातः लगभग 11.30 बजे वायुमार्ग से राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल पहुँचेंगे।

मानपुर छैरा जहरीली शराबकांड के लिये जिम्मेदार सभी 15 आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। मुरैना जिले के ग्राम मानपुर छैरा में गत जनवरी माह में जहरीली शराब से हुई लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अवैध शराब के नेटवर्क का पर्दाफाश भी पुलिस द्वारा कर दिया गया है। जहरीली शराब के प्रकरण में 6 आरोपियों के खिलाफ कलेक्टर श्री बी. कार्तिकेयन ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा है। शराब माफिया नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ जिलाबदर की कार्यवाही की जा रही है। मुरैना के पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार पांडे ने शराब नेटवर्क के पर्दाफाश के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि वे शराब माफियाओं के साथ रहकर अवैध शराब का क्रय-विक्रय एवं परिवहन का काम करते रहे हैं। अधिक मुनाफा प्राप्त के लिये हम सबने शराब बनाने के लिये घातक रसायन थिनर का उपयोग किया। आरोपियों ने बताया कि थिनर के 5 ड्रम 30 हजार के आते है, जबकि ओपी का एक ड्रम 25 से 30 हजार का आता है। शराब बनाने के लिये आगरा की रजिस्टर्ड केमिकल दुकान से 5 ड्रम केमिकल (ठंडा थिनर) खरीदा। यह केमीकल खरीदने के लिये आरोपियों द्वारा अपनी पहचान के लिए अपने आधार कार्ड दिए गए। आरोपियों ने बाद में पहचान छुपाने के उद्धेश्य से अपने मित्र का आधार कार्ड केमिकल दुकान वाले को दिया और इसकी रसीद भी ले ली। आरोपियों द्वारा अवैध शराब बनाने के लिये एक ड्रम केमिकल थिनर ग्राम छैरा, एक ड्रम ग्राम कांसपुरा एवं 3 ड्रम ग्राम दौनारी में बुलेरो एवं लोडिंग वाहन से भेजे गये। अवैध शराब के निर्माण के लिए प्रयुक्त बारदाना इस अवैध करोबार में पूर्व में संलिप्त शराब माफिया के माध्यम से लिया। ग्वालियर की पौआ माता मंदिर से पैंकिंग का सामान तथा लेबलिंग का सामान शिवहरे प्रिंटिंग प्रेस से प्राप्त किया। ग्राम छैरा में मुख्य आरोपी के घर पर एक ड्रम थिनर केमिकल से अवैध शराब बनाई गई जो जहरीली थी। यह जहरीली शराब ग्राम छैरा, मानपुर व आसपास के ग्रामों में सप्लाई की गई। इस जहरीली शराब के सेवन से गत 11 जनवरी 2021 की दरमियानी रात लोगों का स्वास्थ्य खराब होना शुरू हुआ और कुछ लोगों की मृत्यु भी हो गई।

विकास कार्यों का लाभ आम जनों को जल्द से जल्द मिलेः श्रीवास्तव

ग्वालियर/ नगरीय प्रशासन आयुक्त निकुंज कुमार श्रीवास्तव आज ग्वालियर प्रवास पर आए। ग्वालियर प्रवास के दौरान उन्होंने शहर में भ्रमण कर डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, सफाई व्यवस्था एवं विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों का लाभ आम जनता को समय पर मिले तो उसकी उपयोगिता बहुत बढ़ जाती है। नगरीय प्रशासन आयुक्त निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने सिटी सेंटर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था का अवलोकन किया तथा आम जनों से भी चर्चा की। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने एवं नियमित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वार्ड स्तर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात नगरीय प्रशासन आयुक्त श्रीवास्तव ने सागर ताल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जा रहे आवासों का निरीक्षण किया तथा निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि आवासों का कार्य एवं आवंटन शीघ्र पूर्ण करें जिससे आमजन यहां आकर निवास कर सकें। वही जलालपुर में बन रहे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट एवं वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

स्वच्छता रैकिंग में सुधार के लिए गंभीरता से प्रयास करें : निकुंज श्रीवास्तव

संभाग भर के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक लेकर की स्वच्छता सर्वेक्षण एवं विकास कार्यों की समीक्षा

ग्वालियर। बेहतर स्वच्छता रैकिंग के लिये निर्धारित मानकों के अनुसार साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था लागू करें। शासन द्वारा साफ-सफाई के लिये धनराशि सहित पर्याप्त संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं। इसलिये इसमें किसी तरह की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं होगी। जिन नगर पालिका व नगर परिषदों में सफाई व्यवस्था में ढ़िलाई सामने आई तो वहाँ के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इस आशय के निर्देश आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री निकुंज श्रीवास्तव ने दिए। उन्होंने ग्वालियर एवं चंबल संभाग की सभी नगर पालिका एवं नगर परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक लेकर साफ-सफाई एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना भी मौजूद थे।

बुधवार को यहाँ बाल भवन में आयोजित हुई बैठक में आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री निकुंज श्रीवास्तव ने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से चर्चा कर हर नगरीय निकाय की स्वचछता सर्वेक्षण तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिये राज्य शासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। यदि किसी नगरीय निकाय की वजह से प्रदेश की स्वच्छता रैकिंग प्रभावित हुई तो वहाँ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। समीक्षा के दौरान जिन नगरीय निकायों के स्वच्छता के काम में ढ़िलाई सामने आई वहाँ के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश उन्होंने दिए। साथ ही भोपाल से आए अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय निकायों के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में व्यापक प्रशिक्षण दें और इसके बाद विधिवत परीक्षा भी लें। जिन मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के 35 प्रतिशत से कम नम्बर आएँ उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। नगरीय प्रशासन आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता रैकिंग को

बेहतर बनाने के लिये हर नगरीय निकाय में डोर टू डोर और सूखे व गीले कचरे का अलग-अलग संग्रहण कर कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान सुनिश्चित करें। साथ ही बाजारों में दो बार सफाई हो। प्लास्टिक पॉलीथिन के उपयोग को हतोत्साहित करें। सभी परिवार शौचालयों का इस्तेमाल करें। सार्वजनिक शौचालय साफ-सुथरे रहें और उनमें सभी आवश्यक व्यवस्थायें रहें। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने बैठक में कहा कि हर घर से कचरा लिया जा सके, इसलिये नगरीय निकायों में उपलब्ध वाहनों को दो पालियों में चलाएँ। इसके लिये अलग-अलग वाहन चालकों की व्यवस्था करें, जिससे संसाधनों का भरपूर इस्तेमाल कर कचरे का निपटान किया जा सके। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अपर आयुक्त नगरीय विकास सुश्री मीनाक्षी सिंह व उप संचालक श्री नीलेश दुबे सहित भोपाल से आए अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक में इन योजनाओं की भी हुई समीक्षा–ग्वालियर एवं चंबल संभाग के नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत सहित पेयजल व सीवरेज परियोजना, मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना के कार्य, प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना की लक्ष्यपूर्ति, डिजिटल अभियान व राजस्व की वसूली की समीक्षा की गई। साथ ही भवन अनुज्ञा के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण, ई-नगर पालिका के मॉड्यूल्स को निकायों में लागू करना, दीनदयाल रसोई योजना, आश्रय स्थलों का संचालन तथा सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा भी नगरीय प्रशासन आयुक्त ने की। उन्होंने सभी योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति के लिये विशेष प्रयास करने पर बल दिया।

मुख्यालय पर न रहने वाले सीएमओ के खिलाफ होगी कार्रवाई–नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव ने बैठक में स्पष्ट किया कि जिन निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मुख्यालय पर नहीं रहते हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी जिलों के पीओ ड्यूडा (जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी) से ऐसे मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के नाम मांगे हैं। साथ ही हिदायत दी कि यदि किन्हीं अन्य सूत्रों से मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के मुख्यालय से नदारद रहने की सूचना मिली तो पीओ ड्यूडा के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी।

संभाग आयुक्त हर बुधवार को करेंगे मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से चर्चा–संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने कहा कि हर बुधवार को अपरान्ह 4.30 बजे गूगल मीट के जरिए वे संभाग की सभी नगर पालिका एवं नगर परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से चर्चा कर स्वच्छता सर्वेक्षण एवं विकास गतिविधियों की समीक्षा करेंगे।

जौरासी में किए जा रहे कार्य को मॉडल के रूप में विकसित किया जाए

ग्रामीण क्षेत्र में कचरा कलेक्शन कर सेग्रीगेशन हेतु जौरासी में बनाए शेड का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

ग्वालियर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत जनपद पंचायत डबरा की ग्राम पंचायत जौरासी में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्य हेतु चयन किया गया है। इसमें तीन ग्राम पंचायतों के पाँच ग्रामों को जोड़ा गया है। जिसमें पंचायत जौरासी, मकोड़ा एवं टेकनपुर शामिल है। यहाँ पर प्रत्येक गाँव से डोर टू डोर कचरा संग्रहण कर ई-रिक्शा एवं अन्य लोडिंग वाहनों से सेग्रीगेशन शेड जौरासी पर लाया जायेगा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र में डोर टू डोर कचरा संग्रहण कर सेग्रीगेशन किए जाने के लिये जिला पंचायत द्वारा जौरासी में बनाए गए शेड का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने उक्त योजना को शीघ्र प्रारंभ करने के साथ ही अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस प्रकार का कार्य करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री किशोर कान्याल, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे, परियोजना अधिकारी श्री जय सिंह नरवरिया एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि जिला पंचायत द्वारा जौरासी में स्वच्छ भारत मिशन के तहत किया जा रहा कार्य सराहनीय है। इस कार्य को सफल मॉडल के रूप में विकसित कर अन्य जनपद

एवं ग्राम पंचायतों में भी इस प्रकार के मॉडल पर कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि यह भी प्रयास किया जाए कि घरों से कचरा संग्रहण करते समय ही गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग संग्रहीत किया जा सके। परियोजना अधिकारी श्री जय सिंह नरवरिया ने योजना के संबंध में बताया कि डोर टू डोर सूखा एवं गीला कचरा संग्रहीत कर सेग्रीगेशन शेड में लाया जायेगा। यह कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जायेगा। सेग्रीगेशन शेड पर ही कचरे को अलग-अलग करने का कार्य एलयूएलएम समूह की महिलाओं के माध्यम से किया जायेगा। वैज्ञानिक तरीके से कम्पोस्ट पिट से लगभग 65 दिनों में जैविक खाद तैयार किया जायेगा। अगली कड़ी में जैविक खाद को पैकिंग कर समूह की महिलाओं के माध्यम से नर्सरी, मनरेगा, वृक्षारोपण एवं फूलों की खेती के लिये विक्रय भी किया जायेगा। इससे महिलाओं को रोजगार भी उपलब्ध होगा। परियोजना अधिकारी श्री नरवरिया ने यह भी बताया कि रीसाइकलेबल प्लास्टिक, धातुएँ, काँच आदि को कबाड़ी के माध्यम से बेचा जायेगा। इसके साथ ही नॉन रीसाइकलेबल कचरे को डम्पिंग साइट पर निगम के सहयोग से निष्पादित किया जायेगा।

कलेक्टर ने किया जौरासी गौशाला का निरीक्षण–कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जौरासी में गौशाला का भी निरीक्षण किया। गौशाला में लगभग 85 गायों को रखा गया है। स्व-सहायता समूह के माध्यम से संचालित इस गौशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गौशालाओं का जो संचालन किया जा रहा है, यह अनुकरणीय पहल है।

ऊर्जा मंत्री ने होशंगाबाद और इटारसी में विद्युत सब-स्टेशन का किया औचक निरीक्षण

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने होशंगाबाद एवं इटारसी में गत रात्रि में औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सब-स्टेशन में लगे उपकरणों, भण्डार रजिस्टर की जानकारी ली। उन्होंने उपकरणों के बेहतर रख-रखाव के निर्देश दिये। श्री तोमर ने जनवरी माह में हुई ट्रिपिंग की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था करें कि ट्रिपिंग कम से कम हो। उन्होंने रात 9 बजे इटारसी के 220 केव्ही भण्डार का निरीक्षण किया। भण्डार में रखे गये उपकरणों एवं उनकी गारंटी अवधि के बारे में जानकारी ली। श्री तोमर ने कहा कि भण्डार रजिस्टर में रख-रखाव के साथ ही उपकरणों के लाने एवं ले जाने की दिनांक स्पष्ट रूप से लिखें।

कक्षा 9वीं से 12वीं के परीक्षा फार्मों में 5 फरवरी से ऑनलाइन संशोधन कर सकेंगे

ग्वालियर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं के परीक्षा आवेदन-पत्रों में 5 फरवरी 2021 से ऑनलाइन संशोधन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सभी प्राचार्य अपनी संस्था के माध्यम से भरे गये नियमित और स्वाध्यायी छात्रों के नामांकन एवं परीक्षा आवेदन-पत्र में आवश्यक संशोधन कर सकेंगे। शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए मण्डल परीक्षाओं के लिए भरे गये नामांकन और परीक्षा आवेदन-पत्र में नाम, जन्मतिथि, फोटो, विषय, माध्यम, लिंग, शुल्क छूट श्रेणी आदि में संशोधन किया जा सकेगा। मंडल ने 5 फरवरी से निर्धारित तिथि के पश्चात 20 फरवरी तक 25 रूपये प्रति छात्र एवं 05 मार्च 2021 तक 300 रूपये प्रति छात्र संशोधन शुल्क निर्धारित किया है। मण्डल के निर्देशो के अंतर्गत कक्षा 9वीं,10वीं,11वीं में किसी भी नाम के प्रथम केरेक्टर के संशोधन, कक्षा 9वीं,10वीं तथा कक्षा 12वीं में केवल अन्य राज्य या बोर्ड से उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण छात्रों में छात्र, पिता, माता का नाम, जन्म तिथि एवं फोटो में से दो से अधिक श्रेणी में संशोधन और कक्षा 12वीं में अन्य राज्य या बोर्ड से उत्तीर्ण और अनुत्तीर्ण छात्रों को छोड़कर शेष छात्रों को नाम, माता-पिता के नाम में संशोधन की अनुमति नहीं होगी। वर्ष 2021 की परीक्षा में परीक्षा केन्द्र पर किसी भी प्रकार का संशोधन (माध्यम या विषय) परिवर्तन मान्य नहीं किया जाएगा। मण्डल ने यह निर्देश मण्डल से मान्यता,संबद्धता प्राप्त संस्थाओं को देने के साथ ही मंडल की बेवसाईट पर भी अपलोड किए है।

GPS BASED VEHICLE TRACKING SYSTEM & MANAGEMENT FROM W2TRACK SOLUTIONS
Please call us for demo/order: +91 9827270016/7738373527/7738373526
जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग और वाहन प्रबंधन प्रणाली - अपने परिवहन प्रणाली को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाएं।
W2TRACK
✓GPS based Track, Monitor & Analyze your vehicles in real-time
✓Digital records of all your fleet operations at Central place
✓Optimise your Routes, Scheduling and Dispatch
✓Improve Driver Behaviour, remotely immobilize vehicle etc.
✓Improve productivity, efficiency & safety
✓Manage fleet expenses & reduce operational cost (ROI)
✓Power Your Fleets with Latest AIS 140 GPS Devices
Website & Mobile based Application/Software
MAKE IN INDIA
₹2999
Basic GPS Based Fleet Monitoring System with Advanced Reporting
RTO Approved INTEGRATED AIS 140 GPS Device (ARAI/ICAT Approved)
PUBLIC TRANSPORT VEHICLES
-SCHOOL BUSES
-TAXI/CABS
-TRANSIT BUSES
-INTERCITY BUSES
COMMERCIAL VEHICLES
SABA TECHNOSOFT
Deliver The Best, Performance Assured
₹5999
GSTIN: 27ACUFS2949C1ZO www.w2track.com (Locations PAN India GPS Service)

जेसीआई ग्वालियर अपनत्व ने राष्ट्रीय नैतिकता दिवस मनाया

जेसीआई ग्वालियर अपनत्व ने राष्ट्रीय नैतिकता दिवस के अवसर पर आनंद नगर स्थित स्टार ब्रिलियंट हाई सेकेंडरी स्कूल सुबह 10ः00 बजे , दीन दयाल नगर में ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल सुबह 11ः30 बजे छात्रों को नैतिकता की शपथ दिलाई साथ ही पिंटो पार्क व घास मंडी मुरार में ऑनेस्टी शॉप का आयोजन भी किया जिसमें ईमानदारी को प्रोत्साहन दिया गया। बिना दुकानदार की दुकान लगाई गई व रुपए लेने के लिए मात्र एक डब्बा रखा गया जिसमें विद्यार्थियों ने शॉप में रखे सामान पर लिखे हुए मूल्यों के अनुरूप स्वता ही सामान खरीदी कि व पैसे रखे हुए बॉक्स में डालें इस राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर संस्था संस्थापक जेसी कामना सिंह चौहान के निर्देशन में जेसी सोनम दुबे द्वारा कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर जोनडायरेक्टर प्रोग्राम जेसी जय श्री बाथम एनएलसीएस चेयरमैन जेसी अंजलि रायजादा, वाइस प्रेसिडेंट जेसी शकुंतला सिंह परिहार आईपीपी जेसी प्रगति बाथम अध्याय अध्यक्ष जैसी हेमलता सक्सेना व समस्त जीसीआई ग्वालियर अपनत्व टीम उपस्थित रही व स्कूलों के शिक्षक गण भी मौजूद रहे।

प्रो.- विपिन सिंह तोमर
(संचालक सौम्या प्रापर्टी डीलर)
मो.-9301759475
9713253992
मेल- vipintomar172@gmail.com
सौम्या प्रोपर्टी डीलर
आवासीय भूमि (प्लॉट, फ्लैट, मकान, बंगला, खरीदने, बेचने व किराये पर लेने देने के लिये सम्पर्क करें
ग्वालियर शहर में प्रोपर्टी खरीदने व बेंचने के लिये सम्पर्क करें
पता- दुकान न. 3/4 तोमर मार्केट, गायत्री मंदिर वाली गली, पिंटो पार्क, ग्वा.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निवास हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478